राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार 02 जून 2024 वर्ष-7,अंक-129 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

(गिर सोमनाथ) केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सपरिवार भगवान सोमनाथ की पूजा-अर्चना की

गिर सोमनाथ । दो दिवसीय गुजरात दौरे पर आए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज सुबह भगवान सोमनाथ की पूजा-अर्चना की. अमित शाह के साथ उनकी धर्मपत्नि सोनल शाह और बेटे जय शाह भी उपस्थित रहे. इसके अलावा सांसद राजेश चूडास्मा, सोमनाथ ट्रस्ट के ट्रस्टी जेडी परमार, झवेरीभाई ठकरार, महेन्द्र पीठिया समेत अग्रणी मौजूद रहे. सोमनाथ ट्रस्ट ने मोमेन्टो देकर अमित शाह स्वागत किया. शुक्रवार को गुजरात पहुंचे अमित शाह करीब 40 मिनट राजकोट में रुके थे. राजकोट में अमित शाह ने टीआरपी गेमिंग जोन अग्निकांड मामले की चल रही जांच के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली. अमित शाह ने राजकोट शहर पुलिस आयुक्त ब्रजेशकुमार झा के अलावा कलेक्टर प्रभव जोशी, महानगर पालिका आयुक्त डीपी देसाई के साथ भी चर्चा की. राजकोट में 40 मिनट रुकने के बाद अमित शाह सोमनाथ के लिए रवाना हो गए और वहीं रात्रि विश्राम कर आज सुबह भगवान सोमनाथ के दर्शन-पूजन किए. दोपहर का भोजन करने के बाद अमित शाह सोमनाथ से अहमदाबाद के रवाना होंगे.

इंडिगो की फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली । हवाई जहाज का सफर काफी जोखिम वाला हो गया है। आए दिन कुछ न कुछ घटना या विवाद सुनाई दे रहे हैं। पहले वॉशरुम में टिशू पेपर में बम लिखे होने की खबर से हड़कंप मचा था अब चेन्नई से मुंबई के लिए उड़ान भरने वाली इंडिगो की फ्लाइट को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। फ्लाइट के क्रू मेंबर को एक चिट्ठी मिली जिसमें विमान को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। बम की धमकी मिलने के तुरंत बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं और मामले की छानबीन शुरू कर दी। सबसे पहले इंडिगो की फ्लाइट में सवार सभी यात्रियों को सुरक्षित उतारा गया और विमान की तलाशी ली गई। विमान को एयरपोर्ट पर आइसोलेट कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। बता दें कि यह कोई पहला मामला नहीं है, जब किसी विमान को उड़ाने की धमकी दी गई है। इससे पहले भी इस तरह की धमकियां दी जा चुकी हैं।

केजरीवाल को कोर्ट से नहीं मिली राहत

आज तिहाड़ जेल में करना होगा सरेंडर

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को कोर्ट से राहत नहीं मिली है। कोर्ट ने उनकी अंतरिम बेल याचिका पर फैसला नहीं सुनाया है। इसके मद्देनजर केजरीवाल को कल 2 जून को ही तिहाड़ जेल जाकर सरेंडर करना होगा। दरअसल, कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को 10 मई को चुनाव प्रचार के लिए 21 दिनों की अंतरिम जमानत पर रिहा किया था। उनकी जमानत 2 जून को खत्म हो रही है और उन्हें रविवार को सरेंडर करना है। हालांकि इससे पहले केजरीवाल ने अपनी खराब सेहत और मेडिकल टेस्ट का हवाला देते हुए 7 दिन और अंतरिम जमानत बढ़ाने की गुहार लगाई है। शनिवार को इस याचिका पर कोर्ट में सुनवाई हुई। ईडी ने केजरीवाल की अंतरिम जमानत बढ़ाने का विरोध किया। कोर्ट में केजरीवाल के लिए एन हरिहरन और जांच एजेंसी ईडी के लिए,स्त्र एसवी राजू पेश हुए हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता भी सुनवाई के लिए ऑनलाइन जुड़े। उन्होंने दलील दी कि कल शुक्रवार को केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा था कि वो 2 जून को सरेंडर करेंगे। उन्होंने ये नहीं कहा कि वो कोर्ट के आदेश का इंतजार करेंगे। ऐसे बयान देकर वह कोर्ट को गुमराह कर रहे हैं।

आप पहली तारीख को जश्न मनाएं, हम 4 तारीख को जश्न मनाएंगे - कांग्रेस

नई दिल्ली ।

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर जवाबी हमला किया। कांग्रेस प्रवक्ता खेड़ा ने लिखा कि अमित शाह जी यहां सौदा है। आप पहली तारीख को जश्न मनाएं। हम 4 तारीख को जश्न मनाएंगे। खेड़ा ने कहा, कांग्रेस पार्टी 4 जून से चर्चा में फिर से सहर्ष भाग लेगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने दावा किया कि टेलीविजन चैनलों पर एक्जिट पोल की बहसों में भाग नहीं लेने का कांग्रेस का फैसला स्पष्ट पुष्टि है कि विपक्षी दल ने 2024 के लोकसभा चुनाव में हार मान ली है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष कर शाह ने कहा कि जब से उन्होंने कांग्रेस के मामलों में अहम भूमिका निभानी शुरू की है, तब से कांग्रेस 'नकारने के मोड' में है।

इंडिया या एनडीए किसे मिलेगा ताज और कितना सही होगा एग्जिट पोल

-जनमत सर्वे या पूर्वानुमान की विश्वसनीयता पर क्यों उठे सवाल

नई दिल्ली।

लोकसभा चुनाव 2024 के सातवें और अंतिम चरण में 07 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की कुल 57 लोकसभा सीटों पर आज मतदान हुआ। शनिवार शाम 5 बजे तक 58.34फीसद मतदान दर्ज किया गया, झारखंड में सबसे ज्यादा तो बिहार में सबसे कम मतदान दर्ज किया गया। आम चुनाव के अंतिम चरण का मतदान पूर्ण होने के साथ ही सरकार किस गठबंधन की बनेगी इसे लेकर एग्जिट पोल अपने तरीके से आंकड़े पेश करेंगे। वैसे देखा जाए तो एग्जिट पोल चुनाव का वह सर्वे है, जो देश के मतदाता के मूड का आंकलन करते हुए बनाया और बताया जाता है। इस प्रकार एग्जिट पोल एक तरह का जनमत सर्वे ही है, जो चुनाव के दौरान मतदाताओं और राजनेताओं आदि से बातचीत और उनके मन में क्या चल रहा है का अनुमान लगाकर जीत-हार का रूझान बताता है। कौनसा राजनीतिक दल कितनी सीटें जीत सकता है, इसका आंकलन करने वाले एग्जिट पोल पिछले चार चुनावों के आधिकारिक रिजल्ट से अलग ही आते दिखे हैं। इसलिए कहा जा रहा है कि इस बार के एग्जिट पोल क्या परिणाम और रुझान बताते हैं, इससे जनता को ज्यादा सरोकार नहीं है। वहीं दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन ने तो बैठक से पहले ऐलान ही कर दिया था कि एग्जिट पोल वाले टीवी प्रोग्राम्स में वह हिस्सा नहीं लेगा। इसके बाद शाम होते-होते बैठक समाप्त हुई और इंडिया गठबंधन ने फैसला लिया कि वो एग्जिट पोल कार्यक्रम में अपना प्रवक्ता भेजेंगे। इससे जनता ही नहीं बल्कि राजनीतिक दलों के बीच में भी एग्जिट पोल की विश्वसनीयता पर सवाल उठने लगे हैं। बहरहाल देखने वाली बात यह होगी कि लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण के मतदान बाद जो एग्जिट पोल आ रहे हैं, 4 जून के आधिकारिक परिणामों से कितने करीब बैठते हैं।

किस चरण में कितना फीसद रहा मतदान

- लोकसभा चुनाव 2024 के छह चरणों के मतदान के पूर्ण होने के बाद आज 1 जून शनिवार को अंतिम चरण का मतदान भी पूर्ण होने जा रहा है। यहां बतलाते चलें कि प्रथम चरण में 21 राज्यों की 102 सीटों पर 19 अप्रैल को मतदान पूर्ण हुआ था, जिसमें 66.14 प्रतिशत मतदान हुआ।
- इसी प्रकार दूसरे चरण का मतदान 26 अप्रैल को हुआ जिसमें 13 राज्यों की 88 लोकसभा सीटों पर मतदान कराया गया था। इसमें 66.71 फीसदी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया था।
- यहां तृतीय चरण के लिए 7 मई को 11 राज्यों के 94 संसदीय क्षेत्र में हुए मतदान का प्रतिशत 65.68 फीसद दर्ज किया गया था।
- जबकि चतुर्थ चरण का मतदान 13 मई को 10 राज्यों की 86 लोकसभा सीटों पर कराया गया था। चौथे चरण का मतदान प्रतिशत 69.16 फीसद दर्ज किया गया।
- यहां पंचम चरण का मतदान 20 मई को 8 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश की 49सीटों पर 57.47 फीसद मतदान दर्ज किया गया।
- लोकसभा चुनाव के महासमर में 25 मई को छठवें चरण के तहत 7 राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश की 58 सीटों पर 59.06 फीसद मतदान दर्ज किया गया था।
- अब यह देखना दिलचस्प होगा कि मतदान प्रतिशत वाला यह आंकड़ा किस दल और गठबंधन को कितनी सीटें दिलाता है। किसे सत्ता संभालने का जनादेश मिलता है और किसे विपक्ष में बैठाता है।

वर्तमान केंद्रीय कैबिनेट को 5 जून को विदाई डिनर देंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

16 जून से पहले हो जाएगा नई सरकार का गठन

नई दिल्ली।

लोकसभा चुनाव 2024 का शनिवार को शाम 5 बजे समापन हो गया और 4 जनू को नतीजे घोषित होंगे। उसके अगले दिन यानी 5 जून को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले केंद्रीय मंत्रिपरिषद को फेयरवेल डिनर देंगी। इस भोज का आयोजन राष्ट्रपति भवन में रात 8 बजे से होगा। बता दें कि 17वीं लोकसभा का कार्यकाल 16 जून को पूरा हो रहा है। यानी 16 जून से पहले नई सरकार का गठन हो जाएगा।

4 जून को लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम आने साथ ही 18वीं लोकसभा की तस्वीर भी साफ हो जाएगी।

दशकों से यह परंपरा रही है कि हर लोकसभा के कार्यकाल की समाप्ति पर राष्ट्रपति की ओर से निर्वतमान होने जा रही केंद्रीय कैबिनेट को फेयरवेल डिनर पर आमंत्रित किया जाता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी 5 जून को इसी परंपरा का निर्वहन करेंगी। बता दें कि भारतीय निर्वाचन आयोग ने इस साल 16 मार्च को आम चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा की थी। लोकसभा चुनाव 2024 का आयोजन 7 चरणों में हुआ। पहले चरण और दूसरे चरण के लिए क्रमशः 19 और 26 अप्रैल को मतदान हुए। तीसरे, चौथे, पांचवें और छठे चरण के लिए क्रमशः 7, 15, 20 और 25 मई को वोटिंग हुई। वहीं सातवें और अंतिम चरण के लिए 1 जून को वोट डाले गए।

यूपी, बिहार और पश्चिम बंगाल में सभी सात चरणों में मतदान हुए। इसके अलावा लोकसभा चुनावों के साथ ही चार राज्यों ओडिशा, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के विधानसभा चुनाव भी संपन्न हुए। अरुणाचल और सिक्किम विधानसभा चुनाव के परिणाम 2 जून को जारी होंगे, जबकि ओडिशा और आंध्र प्रदेश के परिणाम 4 जून को आम चुनावों के नतीजों के साथ ही आएंगे।

17वीं लोकसभा में हुए कई ऐतिहासिक फैसले

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि निवर्तमान 17वीं लोकसभा महिला आरक्षण विधेयक, तीन तलाक जैसे कुप्रथा की समाप्ति और नए आपराधिक कानूनों को पारित करने सहित अपने ऐतिहासिक फैसलों के लिए जानी जाएगी।

नई दिल्ली में आकाशवाणी से विशेष बातचीत में ओम बिरला ने अपने 5 साल के कार्यकाल को याद करते हुए कहा कि ये कानून देश को आगे ले जाएंगे और सकारात्मक बदलाव लाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि 17वीं लोकसभा के दौरान सदन में हुईं चर्चाएं और बहस 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लिए एक रोडमैप के रूप में काम करेंगी।

देश के कई राज्यों में लू ने ली दर्जनों लोगों की जान

नई दिल्ली।

भीषण गर्मी के चलते बढ़ते तापमान ने सांसों पर संकट खड़ा कर दिया है। बिहार में भीषण गर्मी और लू कहर बनकर टूटी है। यहां भीषण गर्मी से 10 मतदान कर्मियों सहित 14 लोगों की मौत हो गई। वहीं, ओडिशा के सुंदरगढ़ में हीट स्ट्रोक से 12 लोगों की जान चली गई। उधर, पूर्वांचल में हीट वेव की चपेट में आने से चुनाव ड्यूट में जाने वाले 9 होमगार्ड जवानों और पांच मतदानकर्मियों की मौत हो गई।

महाराष्ट्र के नागपुर में दो स्वचालित मौसम स्टेशनों ने असामान्य रूप से उच्च तापमान की सूचना दी है, जो 50 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया है। ये स्टेशन आईएमडी नेटवर्क का हिस्सा है। यह डेटा मुंगेशपुर गांव में जवाहर नवोदय विद्यालय में स्थित एक स्वचालित मौसम केंद्र पर दर्ज किया गया था। बिहार में पिछले 24 घंटे में लू लगने से 10 मतदान कर्मियों सहित 14 लोगों ने अपनी जान गंवा दी। आपदा प्रबंधन विभाग ने एक बयान में कहा कि अधिकतर मौतें भोजपुर में हुईं, जहां चुनाव ड्यूटी पर तैनात पांच अधिकारियों की लू लगने से मौत हो गई। कई स्थानों पर पारा 44 को पार कर गया है। ओडिशा में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। राज्य के सुंदरगढ़ में बीते 24 घंटे में हीट स्ट्रोक से 12 लोग मौत की नींद सो गए। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक लू लगने से चार लोगों की मौत हो गई। सुंदरगढ़ के एडीएम आशुतोष कुलकर्णी ने कहा कि फिलहाल, हाई-टेक अस्पताल में दस और आरजीएच अस्पताल में 23 अन्य लोगों का इलाज चल रहा है।

मानसून भटका, अब महाराष्ट्र, दिल्ली, यूपी में देरी से आएगा

पुणे।

दक्षिण-पश्चिम मानसून ने केरल तो पहुंच गया लेकिन एक दिन बाद ही भटक गया। 30 मई को मानसून पूर्वोत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में आगे बढ़ गया। मौसम विभाग का कहना है कि अब कुछ दिनों तक मानसून के धीमी गति से आगे बढ़ने की संभावना है।

यह उन क्षेत्रों के लिए चिंता की बात है जहां केरल के बाद चक्रवात आते हैं, जिनमें महाराष्ट्र के कुछ हिस्से शामिल हैं।

मौसम विभाग के अधिकारी ने कहा कि चक्रवाती तूफान रेमल के कारण मानसून बंगाल की खाड़ी मजबूत हो गई है, जिससे यह पूर्वोत्तर भारत में पहुंच गई है। वहीं अरब सागर की स्थिति कमजोर हो गई है। अगले कुछ दिनों में प्रायद्वीपीय भारत में बारिश होगी, लेकिन यह कम हो सकती है।

मानसून को फिर से मजबूत होने में कुछ दिन लगेंगे, जिससे दक्षिण महाराष्ट्र और बाद में उत्तर-पश्चिम भारत में मानसून देर से आएगा।

उत्तर-पश्चिम भारत के लिए जून की बारिश का पूर्वानुमान सामान्य से कम बारिश होती है। मानसून आगे बढ़ने का कारण भारतीय तटों के दोनों ओर बनने वाली प्रणालियां हैं। ऐसा लगता नहीं है कि ये विशेषताएं मौजूद हैं और हो सकता है कि अगले कुछ दिनों में भी न हो।

विशेषज्ञों ने कहना है कि अगले कुछ दिनों में प्रायद्वीपीय भारत में जो बारिश की गतिविधि होगी, वह गरज के साथ बौछारें या स्थानीय स्तर पर बारिश जैसी होगी। यह मानसून की गतिविधि के लिए असामान्य है। महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों और यहां तक कि ओडिशा, झारखंड और छत्तीसगढ़ में भी इसके आने में देरी हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम मानसून उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी के शेष भागों और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ भागों, त्रिपुरा, मेघालय और असम के शेष भागों और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम के अधिकांश भागों में आगे बढ़ गया है।

लोकसभा चुनाव 2024 : पश्चिम बंगाल में भारी हिंसा

-भांगर में बम फिके, पुलिस ने किया लाठी चार्ज, कई घायल

नई दिल्ली।

लोकसभा चुनाव के आखिरी चरण में हो रहे मतदान के दौरान पश्चिम बंगाल में जमकर हिंसा हुई। कहीं लाठी चली तो कहीं बम फेके गए। घायलों को स्थानीय अस्ताल में इलाज के लिए भर्ती किया गया है।

पश्चिम बंगाल में जादवपुर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले भांगर के सतुलिया इलाके में टीएमसी पर आईएसएफ और सीपीआईएम के कार्यकर्ताओं और समर्थकों पर हमला करने का आरोप लगा है।

टीएमसी समर्थकों पर बम से हमला करने का आरोप है। इस घटना में कथित तौर पर कई आईएसएफ कर्मी और समर्थक घायल हो गए। अतिरिक्त सुरक्षा बलों को मौके पर भेजा गया। उन्होंने बूथ के सामने जमा भीड़ को पीछे हटाने के लिए लाठीचार्ज का सहारा लिया।पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना के कुलताई में बूथ संख्या 40, 41 पर भीड़ द्वारा कथित तौर पर ईवीएम और वीवीपैट मशीन को पानी में फेंक दिया गया। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के मुताबिक मतदाताओं को कथित तौर पर टीएमसी समर्थकों ने धमकी दी है। इससे भीड़ उत्तेजित हो गई और ईवीएम को तालाब में फेंक दिया।

लोकसभा चुनाव के आखिरी चरण में शनिवार को सात राज्य और एक केंद्र शासित प्रदेश की 57 सीटों पर वोट डाले जा रहे हैं। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वाराणसी सीट भी शामिल है। जिन सीटों पर आज वोटिंग हो रही है, उसमें पंजाब और यूपी की 13-13 सीटें, पश्चिम बंगाल की 9 सीटें, बिहार की 8 सीटें, ओडिशा की 6 सीटें, हिमाचल प्रदेश की 4 सीटें, झारखंड की 3 सीट और एक चंडीगढ़ सीट शामिल है। इस चरण में कई बड़े दिग्गजों की किस्मत दांव पर है।

इस फेज में केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर हमीरपुर से, ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी डायमंड हार्बर से, लालू प्रसाद की बेटी मीसा भारती पाटलिपुत्र और एक्ट्रेस कंगना रनौत मंडी सीट से मैदान में हैं।

खालिस्तान का समर्थन करने के लिए बनाए फर्जी फेसबुक, इंस्टाग्राम अकाउंट

-मेटा ने किया अशांति फैलाने के चीन के नापाक इरादों का खुलासा

नई दिल्ली।

फेसबुक और इंस्टाग्राम की स्वामित्व वाली कंपनी मेटा ने भारत में अशांति फैलाने के चीन के नापाक इरादों का खुलासा किया है। मेटा ने कहा है कि भारत में खालिस्तानी आतंकियों के पक्ष में माहौल बनाने और समर्थन करने के लिए चीन से फर्जी फेसबुक और इंस्टा अकाउंट बनाए गए हैं। इन फर्जी अकाउंट्स के निशाने पर सिख समुदाय था, जिनके बीच खालिस्तान समर्थक भावनाओं को उभारने का प्रयास किया जा रहा था। मेटा ने खालिस्तान को बढ़ावा देने वाले 37 फेसबुक अकाउंट, 13 पेज, 5 ग्रुप और 9 इंस्टाग्राम अकाउंट को हटा दिया है। इन अकाउंट्स की गतिविधियां संदिग्ध और अप्रमाणिक पाई गई हैं। इन अकाउंट्स से फर्जी खबरें, तस्वीरें, छेड़छाड़ वाले वीडियो और प्रॉपगेंडा पोस्ट किए जा रहे थे। फेसबुक और इंस्टाग्राम के मालिक मेटा ने अपनी एडवर्सरियल थ्रेट रिपोर्ट में कहा कि उन्होंने समन्वित अप्रामाणिक व्यवहार के खिलाफ अपनी नीति का उल्लंघन करने के लिए इन अकाउंट्स, पेज और ग्रुप को हटाया दिया है। मेटा ने 2024 अपनी रिपोर्ट में कहा है कि यह नेटवर्क चीन में बनाया गया और इसने ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, यूके और नाइजीरिया समेत वैश्विक सिख समुदाय को निशाना बनाया। मेटा ने कहा कि इस गतिविधि में चीन से संचालित कई फर्जी अकाउंट के समूह शामिल थे, जो भारत और तिब्बत क्षेत्र को निशाना बनाते थे। रिपोर्ट में कहा गया है, इनमें से कुछ समूहों ने एक-दूसरे को बढ़ावा दिया, जिनमें से ज्यादातर ने अपने फर्जी अकाउंट्स के जरिए प्रचार किया, जिससे अभियान को वास्तविकता से ज्यादा लोकप्रिय दिखाया जा सकते। मेटा ने कहा कि इस ऑपरेशन में फर्जी और संदिग्ध अकाउंट का इस्तेमाल किया गया है, जिनमें से कुछ को हमारी जांच से पहले ही हमारी प्रणाली के जरिए पता लगाकर निष्क्रिय कर दिया गया। ये फर्जी अकाउंट सिख पहचान के साथ बने थे। मेटा ने रिपोर्ट में कहा कि चीन स्थित नेटवर्क ने एक काल्पनिक ऑपरेशन के बनाया, जिसमें न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया समेत सिख समर्थक विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया गया। इसने यह भी दावा किया कि उसने ऑपरेशन के गतिविधियों की पहचान कर ली और उसे हटा दिया। मेटा ने कहा कि उन्होंने मुख्य रूप से अंग्रेजी और हिंदी में न्यूज और वर्तमान घटनाओं के बारे में पोस्ट किया, जिसमें फोटो एडिटिंग के

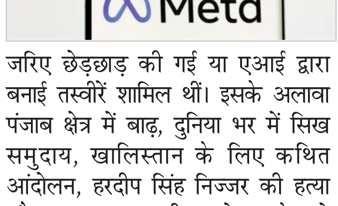

जरिए छेड़छाड़ की गई या एआई द्वारा बनाई तस्वीरें शामिल थीं। इसके अलावा पंजाब क्षेत्र में बाढ़, दुनिया भर में सिख समुदाय, खालिस्तान के लिए कथित आंदोलन, हरदीप सिंह निज्जर की हत्या और भारत सरकार की आलोचना के बारे में पोस्ट की गई थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

जानलेवा गर्मी

नित नये रिकॉर्ड तोड़ती गर्मी स्पष्ट संकेत दे रही है कि समय रहते बचाव के लिये नीतिगत फैसले नहीं लिए गए तो एक बड़ी आबादी के जीवन पर संकट मंडराएगा। यह संकट तीखी गर्मी से होने वाली बीमारियों व लू से होने वाली मौतें ही नहीं होंगी, बल्कि हमारी खाद्य सुरक्षा श्रृंखला भी टूटेगी। हालिया अध्ययन बता रहे हैं कि मौसमी तीव्रता से फसलों की उत्पादकता में भी कमी आई है। दरअसल, मौसम की यह तल्खी केवल भारत ही नहीं ,वैश्विक स्तर पर नजर आ रही है। एशिया के अलावा यूरोप व अमेरिकी देशों में भी तापमान में अप्रत्याशित बदलाव नजर आ रहा है। निश्चित रूप से यह तापमान उन लोगों के बेहद कष्टकारी है, जो पहले ही जीवनशैली से जुड़े रोगों से जूझ रहे हैं। जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता असाध्य रोगों की वजह से चूक रही है। ऐसा ही संकट वृद्धों के लिये भी है, जो बेहतर चिकित्सा सुविधाओं व सामाजिक सुरक्षा के अभाव में जीवन यापन कर रहे हैं। वैसे एक तथ्य यह भी है कि मौसम के चरम आने पर, यानी अब चाहे बाढ़ हो, शीत लहर हो या फिर लू हो, मरने वालों में अधिकांश गरीब व कामगार तबके के लोग ही होते हैं। जिनका जीवन गर्मी में बाहर निकले बिना या काम किये बिना चल नहीं सकता। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि उन्हें मौसम नहीं बल्कि गरीबी मारती है। पेट में पर्याप्त भोजन का अभाव कुपोषण को जन्म देता है। जिसके चलते व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता पर भी प्रभाव पड़ता है। लेकिन विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग के हमारे दरवाजे पर दस्तक देने के बावजूद विकसित व संपन्न देश पर्यावरण संतुलन के प्रयास करने तथा आर्थिक सहयोग देने से बच रहे हैं। ऐसा नहीं है कि मौसम की मार से कोई विकसित व संपन्न देश बचा हो, लेकिन प्राकृतिक संसाधनों के क्रूर दोहन से औद्योगिक लक्ष्य पूरे करने वाले ये देश अब विकासशील देशों को नसीहत दे रहे हैं। दरअसल, गर्मी के प्रभाव से हाइपरटेंशन, निर्जलीकरण, लू लगने के अलावा मानव स्वास्थ्य से जुड़े कई तरह के संकट सामने आ रहे हैं। कई तरह के मानसिक रोगों की भी आशंका जतायी जा रही है। जिसकी वजह से विश्व स्वास्थ्य संगठन सार्वजनिक स्वास्थ्य की आपात स्थितियों के पैदा होने की आशंका जता रहे हैं। बहरहाल, रिकॉर्ड तोड़ते तापमान के दुष्प्रभावों को कम करने के लिये सरकारों को नीतिगत उपायों को लागू करने को प्राथमिकता देनी होगी। सरकारों को मानना होगा कि वैसे तो प्रकृति किसी तरह का भेदभाव नहीं करती मगर सामाजिक असमानता के चलते वंचित समाज इसकी बड़ी कीमत चुकाता है। सरकार रेड अलर्ट व ऑरेंज अलर्ट की सूचना देकर अपने दायित्वों से पल्ला नहीं झाड़ सकती। खासकर ऐसे समय में जब हरियाणा व राजस्थान में पारा पचास पार करके गंभीर चुनौती का संकेत दे रहा है। स्कूल-कालेजों के संचालन, दोपहर की तीखी गर्मी के बीच कामगारों व बाजार के समय के निर्धारण को लेकर देश में एकरूपता का फैसला लेने की जरूरत है। कुछ जगह धारा 144 लागू की गई है, जो इस संकट का समाधान कदापि नहीं है। कभी संवेदनशील भारतीय समाज के संपन्न लोग सार्वजनिक स्थलों में प्याऊ की व्यवस्था करते थे। लेकिन आज संकट यह है कि पानी व शीतल पेय के कारोबारी मुनाफे के लिये सार्वजनिक पेयजल आपूर्ति को बाधित करने की फिराक में रहते हैं। सरकारों को नीतिगत फैसला लेकर विभिन्न फैक्ट्रियों व कार्यस्थलों पर पंखों व शीतल जल की उपलब्धता की अनिवार्यता सुनिश्चित करनी चाहिए।

प्रकृति एवं पर्यावरण में जहर घोलने से बढ़ी जानलेवा गर्मी

(लेखक- ललित गर्ग)

लोकसभा चुनाव के प्रचार की गर्मी भले ही समाप्त हो गयी हो लेकिन प्रकृति से जुड़ी गर्मी सौ-डेढ़ सौ वर्षों का रिकार्ड तोड़ते हुए कहर बरपा रही है। दिल्ली का पारा 50 डिग्री से तो ज्यादा ही रहा है। देश के 17 से अधिक शहरों में तापमान उच्चतम स्तर पर चल रहा है। यह एक तरह का प्राकृतिक आपातकाल है। हीटवेव या यों कहें कि लू के थपेड़ों ने जनजीवन को मौत के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। लू या हीटवेव या तापघात के कारण देश के विभिन्न हिस्सों में मौत के समाचार भी आ रहे हैं। तस्वीर का एक पहलू यह है कि अभी तक सही मायने में हमारे देश में हीटवेव को डिजास्टर मैनेजमेंट में पूरी तरह से शामिल नहीं किया गया है। वैज्ञानिक बता रहे हैं कि शहरों में हीट आइलैंड बन रहे हैं, जिसके लिए मुख्य रूप से सीमेंट-तारकोल और कृत्रिम वातानुकूलित (एसीवाली) जीवनशैली जिम्मेदार है। कंक्रीट और तारकोल के जंगलों का विस्तार करने को जब तक हम अपनी जरूरत समझते रहेंगे तब तक हरे-भरे जंगलों को कटने से कोई नहीं रोक सकेगा। दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर देश जब तक जीडीपी से विकास को मापेगा, बेहिसाब औद्योगीकरण एवं शहरीकरण की होड़ रहेगी, तब तक पर्यावरण असंतुलन एवं गर्मी का प्रकोप ऐसे ही विनाश का कारण बनता रहेगा।

इस बार बढ़ती गर्मी ने सारे रेकॉर्ड तोड़ दिये हैं जो हमारे लिए चौंकाने से ज्यादा गंभीर चिंता की बात है। राजधानी दिल्ली के एक इलाके में अधिकतम पारा 52.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो देश के इतिहास का सबसे ज्यादा तापमान है। राजस्थान के चुरु और फलोदी आदि का पारा तो 50 के आसपास या ऊपर ही चल रहा है। जैसलमेर आदि स्थानों पर गर्मी इतने तेज है कि धरती तवे की तरह तप रही है, लोगों ने पापड़ सेक कर या आमलेट बनाते हुए दृश्य सोशल मीडिया पर दिखाये हैं। पानी की कमी, बिजली कटौती और गर्म लू के कारण बीमारी के हालात गंभीर होते जा रहे है। इतनी तेज गर्मी में पेयजल की उपलब्धता, बिजली की आपूर्ति व ट्रिपिंग की समस्या से निजात पाना मुश्किल हो रहा है। सवाल यह है कि इस भीषण लू या यों कहें कि हीटवेव के लिए बहुत कुछ हम और हमारा विकास का नजरिया भी जिम्मेदार है। आज शहरीकरण और विकास के नाम पर प्रकृति को विकृत करने में हमने कोई कमी नहीं छोड़ी है। पेड़ों की खासतौर से छायादार पेड़ों की अंधाधुंध कटाई एवं गांवों में हो या शहरों में आंख मींचकर कंक्रिट के जंगल खड़े करने की होड़ के दुष्परिणाम प्रकृति एवं पर्यावरण की विकरालता के रूप में सामने हैं। जल संग्रहण के परंपरागत स्रोतों को नष्ट करने में भी हमने कोई गुरेज नहीं किया। अब विकास एवं सुविधाओं और प्रकृति के बीच सामंजस्य की ओर ध्यान देना होगा नहीं तो आने वाले साल और अधिक चुनौती भरे होंगे। कंक्रिट के जंगलों से लेकर हमारे दैनिक उपयोग के अधिकांश साधन एवं विकास की भ्रामक सोच तापमान को बढ़ाने वाले ही हैं। विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग की दस्तक देने के बावजूद विकसित व संपन्न देश पर्यावरण संतुलन के प्रयास करने तथा आर्थिक सहयोग देने से बच रहे हैं। ऐसा नहीं है कि मौसम की मार से कोई विकसित व संपन्न देश बचा हो, लेकिन प्राकृतिक संसाधनों के क्रूर दोहन से औद्योगिक लक्ष्य पूरे करने वाले ये देश अब विकासशील देशों को नसीहत दे रहे हैं। निश्चित रूप से बढ़ता तापमान उन लोगों के लिये बेहद कष्टकारी है, जो पहले ही जीवनशैली से जुड़े रोगों एवं समस्याओं से जूझ रहे हैं। जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता असाध्य रोगों की वजह से चूक रही है। ऐसा ही संकट वृद्धों के लिये भी है, जो बेहतर चिकित्सा सुविधाओं व सामाजिक सुरक्षा के अभाव में जीवनयापन कर रहे हैं। वैसे एक तथ्य यह भी है कि मौसम के चरम पर आने, यानी अब चाहे बाढ़ हो, शीत लहर हो या फिर लू हो, मरने वालों में अधिकांश गरीब व कामगार तबके के लोग ही होते हैं। जिनका जीवन गर्मी में बाहर निकले बिना या काम किये बिना चल नहीं सकता। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि उन्हें मौसम नहीं बल्कि गरीबी मारती है।

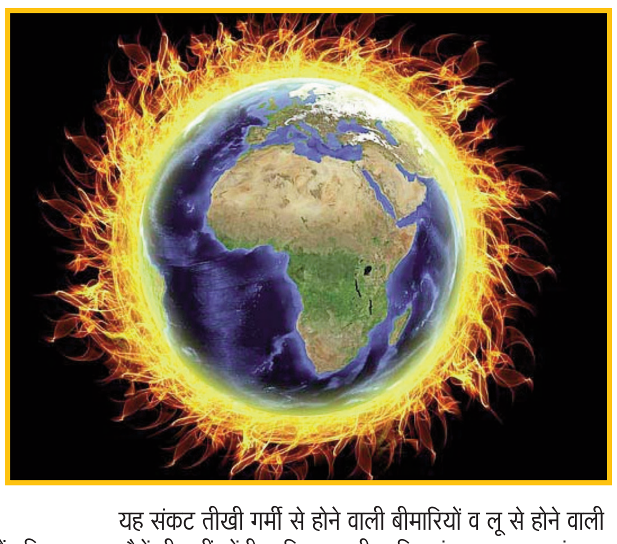

जलवायु परिवर्तन का असर अब ज्यादा स्पष्ट तौर पर दिखने लगा है। अगर गर्मी पड़ रही है तो पिछले कई दशक के रिकॉर्ड तोड़ रही है। अगर बारिश हो रही है तो कुछ घंटों में ही पूरे मॉनसून की बरसात के बराबर पानी गिर रहा है। सर्दी भी साल-दर-साल नए रिकॉर्ड बना रही है। कुल मिलाकर हर मौसम अब अप्रत्याशित क्रूरतम रुख दिखा रहा है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, अल नीनो और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन की दोहरी मार के कारण धरती के तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इससे धरती पर मौजूद सभी जीव-जंतुओं, वनस्पति और इंसानों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। अनेक लोगों की भीषण गर्मी में जान चली गयी, बिहार की स्कूली छात्राएं बड़ी संख्या में बेहोश हो गयी। इन जटिल स्थितियों को देखते हुए गर्मी के मौसम में काम के घंटों का निर्धारण एवं स्कूलों में गर्मी की छुट्टियों की अवधि मौसम की अनुकूलता के अनुरूप ही होनी चाहिए। आसन्न संकट को महसूस करते हुए दीर्घकालीन रणनीति, इस चुनौती से निपटने के लिये बनाने की जरूरत है। दुनियाभर में अगले 20 साल के भीतर कूलिंग सिस्टम्स यानी एयरकंडीशन की मांग में कई गुना बढ़ी है। सुविधावादी जीवनशैली एवं तथाकथित आधुनिकता ने पर्यावरण के असंतुलन को बेतहाशा बढ़ाया है। तापमान में भी साल-दर-साल बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। जहां तापमान ने नए रिकॉर्ड्स बनाने शुरू कर दिए हैं वहीं, भारी बारिश के कारण बाढ़ के हालात बन रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण मौसम को लेकर अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। सरकारों को नीतिगत फैसला लेकर बदलते मौसम की चुनौतियों को गंभीरता से लेना होगा। समय रहते बचाव के लिये नीतिगत फैसले नहीं लिए गए तो एक बड़ी आबादी के जीवन पर संकट मंडराएगा। यह संकट तीखी गर्मी से होने वाली बीमारियों व लू से होने वाली मौतें ही नहीं होंगी, बल्कि हमारी कृषि एवं खाद्य सुरक्षा श्रृंखला भी प्रभावित होगी। हालिया अध्ययन बता रहे हैं कि मौसमी तीव्रता से फसलों की उत्पादकता में भी कमी आई है। दरअसल, मौसम की यह तल्खी केवल भारत ही नहीं ,वैश्विक स्तर पर नजर आ रही है। एशिया के अलावा यूरोप व अमेरिकी देशों में भी तापमान में अप्रत्याशित बदलाव नजर आ रहा है।

सरकारों को मानना होगा कि वैसे तो प्रकृति किसी तरह का भेदभाव नहीं करती मगर सामाजिक असमानता के चलते वंचित समाज इसकी बड़ी कीमत चुकाता है। सरकार रेड अलर्ट व ऑरेंज अलर्ट की सूचना देकर अपने दायित्वों से पल्ला नहीं झाड़ सकती। खासकर ऐसे समय में जब हरियाणा व राजस्थान में पारा पचास पार करके गंभीर चुनौती का संकेत दे रहा है। स्कूल-कालेजों के संचालन, दोपहर की तीखी गर्मी के बीच कामगारों व बाजार के समय के निर्धारण को लेकर देश में एकरूपता का फैसला लेने की जरूरत है। कुछ जगह धारा 144 लागू की गई है, जो इस संकट का समाधान कदापि नहीं है। कभी संवेदनशील भारतीय समाज के संपन्न लोग सार्वजनिक स्थलों में प्याऊ की व्यवस्था करते थे। लेकिन आज संकट यह है कि पानी व शीतल पेय के कारोबारी मुनाफे के लिये सार्वजनिक पेयजल आपूर्ति को बाधित करने की फिराक में रहते हैं। सरकारें भी जल के नाम पर राजनीति करती है। दिल्ली के अनेक इलाकों में बढ़ती गर्मी के साथ जल आपूर्ति एक बड़ी समस्या बनी हुई है। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को पानी से बुझाना चाहते हैं। विभिन्न प्रांतों के बीच का यह विवाद आज हमारे लोकतांत्रिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर रहा है, जनजीवन से खिलवाड़ कर रहा है। जीवनदायक वस्तुएं प्रभु ने मुफ्त में दे रखी है। पानी, हवा एवं प्यार और आज वे ही विवादास्पद, दूषित और झूठी हो गयी हैं। इस तरह की तुच्छ एवं स्वार्थ की राजनीति करने वाले नेता क्या गर्मी एवं जल-समस्याओं का समाधान दे पायेंगे?

आज का राशिफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से तनाव मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आर्थिक तथा व्यावसायिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ की संभावना है।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

वृश्चिक पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। वाद विवाद की स्थिति से बचें। आर्थिक योजना सफल होगी। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजना फलीभूत होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक खर्च का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किया गया परिश्रम सार्थक होंगे।

कुम्भ रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकतीहै। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। पराक्रम में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

खेतों से उजड़ते पेड़ मानवीय अस्तित्व को खतरा

कृषि वानिकी/ पंकज चतुर्वेदी

न तो अब खेतों में कोयल की कूक सुनाई देती है और न ही सावन के झूले पड़ते हैं। यदि फसल को किसी आपदा का ग्रहण लग जाए तो अतिरिक्त आय का जरिया होने वाले फल भी गायब हैं। अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका 'नेचर सस्टैनबिलिटी' में 15 मई, 2024 को प्रकाशित आलेख बताता है कि भारत में खेतों में पेड़ लगाने की परंपरा अब समाप्त हो रही है। कृषि-वानिकी का मेलजोल कभी भारत के किसानों की ताकत था। देश के कई पर्व-त्योहार, लोकाचार, गीत-संगीत खेतों में खड़े पेड़ों के इर्द-गिर्द रहे हैं। मार्टिन ब्रांट, दिमित्री गोमिंस्की, फ्लोरियन रेनर, अंकित करिरिया, वेंकन्ना बाबू गुथुला, फ़िलिप सियाइस, ज़ियाओये टोंग, वेनमिन झांग, धनपाल गोविंदराजुलु, डैनियल ऑर्टिज़-गोंज़ालो और रासमस फेंशोल्टन के बड़े दल ने भारत के विभिन्न हिस्सों में आंचलिक क्षेत्रों में जा कर शोध कर पाया कि अब खेत किनारे छाया मिलना मुश्किल है। इसके कई विषम परिणाम खेत झेल रहा है। जब देश में बढ़ता तापमान व्यापक समस्या के रूप में सामने खड़ा है और सभी जानते हैं कि धरती पर अधिक से अधिक हरियाली की छतरी ही इससे बचाव का जरिया है। ऐसे में इस शोध का यह परिणाम गंभीर चेतावनी है कि बीते पांच वर्षों में हमारे खेतों से 53 लाख फलदार व छायादार पेड़ गायब हो गए हैं। इनमें नीम, जामुन, महुआ और कटहल जैसे पेड़ प्रमुख हैं। इन शोधकर्ताओं ने भारत के खेतों में मौजूद 60 करोड़ पेड़ों का नक्शा तैयार किया और फिर लगातार दस साल उनकी निगरानी की। कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अध्ययन के अनुसार, देश में प्रति हेक्टेयर पेड़ों की औसत संख्या 0.6 दर्ज की गई। इनका सबसे ज्यादा घनत्व उत्तर-पश्चिमी भारत में राजस्थान और दक्षिण-मध्य क्षेत्र में छत्तीसगढ़ में दर्ज किया गया है। यहां पेड़ों की मौजूदगी प्रति हेक्टेयर 22 तक दर्ज की गई। रिपोर्ट से सामने आया कि खेतों में सबसे अधिक पेड़ उजाड़ने में तेलंगाना और महाराष्ट्र अव्वल रहे हैं। जिन पेड़ों को 2010-11 में दर्ज किया गया था उनमें से करीब 11 फीसदी बड़े छायादार पेड़ 2018 तक गायब हो चुके थे। बहुत जगहों पर तो खेतों में मौजूद आधे पेड़ गायब हो चुके हैं। अध्ययन से यह भी पता चला है कि 2018 से 2022 के बीच करीब 53 लाख पेड़ खेतों से अदृश्य थे। यानी इस दौरान हर किमी क्षेत्र से औसतन 2.7 पेड़ नदारद मिले। वहीं कुछ क्षेत्रों में तो हर किमी क्षेत्र से 50 तक पेड़ गायब हो चुके हैं। यह विचार करना होगा कि आखिर किसान ने अपने खेतों से पेड़ों को उजाड़ा क्यों? किसान भलीभांति जानता है कि खेत की मेड़ पर छायादार पेड़ होने का अर्थ है पानी संचयन, पत्तों और पेड़ पर बिराजने वाले पंछियों की बीट से निशुल्क कीमती खाद, मिट्टी की मजबूत पकड़ और सबसे बड़ी बात खेत में हर समय किसी बड़े बूढ़े के बने रहने का अहसास। इन पेड़ों पर पक्षियों का बसेरा भी रहता था। जो फसलों में लगने वाले कीट-पतंगों से रक्षा करते थे। फसलों को नुकसान करने वाले कीटाणु सबसे पहले मेड़ के पेड़ पर ही बैठते हैं। उन पेड़ों पर दवाओं का छिड़काव कर दिया जाए तो फसलों पर छिड़काव करने से बचत हो सकती है। जलावन, फल-फूल से अतिरिक्त आय तो है ही। इसके बावजूद नीम, महुआ, जामुन, कटहल, खेजड़ी (शमी), बबूल, शीशम व नारियल आदि जैसे बहुउद्देशीय पेड़ों का काटा जाना, जिनका मुकुट 67 वर्ग मीटर या उससे अधिक था, किसान की किसी बड़ी मजबूरी की तरफ इशारा करता है। एक बात समझना होगा कि हमारे यहां तेजी से खेती का

रकबा कम होता जा रहा है। एक तो घरों में ही खेती की जमीन का बंटवारा हुआ, फिर लोगों ने समय-समय पर व्यवसायिक इस्तेमाल के लिए खेतों को बेचा। आज से पचास साल पहले 1970-71 तक देश के कुल किसानों में से आधे किसान सीमांत थे। सीमांत यानि जिनके पास एक हेक्टेयर या उससे कम जमीन हो। 2015-16 आते-आते सीमांत किसान बढ़कर 68 प्रतिशत हो गए हैं। अनुमान यह कि आज इनकी संख्या 75 फीसदी है। सरकारी आंकड़ा कहता है कि सीमांत किसानों की औसत खेती 0.4 हेक्टेयर से घटकर 0.38 हेक्टेयर रह गई है।

ऐसा ही छोटे, अर्ध मध्यम और मझोले किसान के साथ हुआ। कम जोत का सीधा असर किसानों की आय पर पड़ा है। अब वह जमीन के छोटे से टुकड़े पर अधिक कमाई चाहता है तो उसने पहले खेत की चौड़ी मेड़ को ही तोड़ डाला। इसके चलते वहां लगे पेड़ कटे। उसे लगा कि पेड़ के कारण हल चलाने लायक भूमि और सिकुड़ रही है तो उसने पेड़ पर कुल्हाड़ी चला दी। इस लकड़ी से उसे तात्कालिक कुछ पैसा भी मिल गया। इस तरह घटती जोत का सीधा असर खेत में खड़े पेड़ों पर पड़ा। सरकार खेतों में पेड़ लगाने की योजना, सब्सिडी के पोस्टर छापती रही और किसान अपने कम होते रकबे को थोड़ा-सा बढ़ाने की फिराक में धरती के श्रृंगार पेड़ों को उजाड़ता रहा। देश में बड़े स्तर पर धान बोने के चलन ने भी बड़े पेड़ों को नुकसान पहुंचाया। साथ ही खेतों में मशीनों का इस्तेमाल बढ़ने ने भी पेड़ों की बलि ली। कई बार भारी-भरकम मशीनें खेत की पतली पगडंडी से लाने में पेड़ आड़े आते थे तो तात्कालिक लाभ के लिए उन्हें काट दिया गया। खेत तो कम होंगे ही लेकिन पेड़ों का कम होना मानवीय अस्तित्व पर बड़े संकट को आमंत्रण है। आज समय की मांग है कि खेतों के आसपास सामुदायिक वानिकी को विकसित किया जाए, जिससे जमीन की उर्वरा शक्ति , धरती की कोख का पानी और हरियाली का सहारा बना रहे।

विचार मंथन

एग्जिट पोल पर दिन भर बबाल

(लेखक-सनत जैन)

1 जून की शाम से टेलीविजन चैनलों में एग्जिट पोल के नतीजे आने का क्रम शुरु हो चुका है। इसी के साथ एग्जिट पोल पर टीवी चैनलों में बड़ी बहस भी शुरू हो चुकी है। लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम आने तक एग्जिट पोल, टेलीविजन चैनलों में धूम मचाते रहेंगे। पहली बार एग्जिट पोल में इंडिया गठबंधन के सभी राजनीतिक दलों ने शामिल नहीं होने का ऐलान किया। देर शाम विपक्षी दलों ने एग्जिट पोल के कार्यक्रमों में अपने प्रवक्ता भेजने का निर्णय ले लिया। इससे हटकर पिछले चार लोकसभा चुनाव में जितने भी एग्जिट पोल आए हैं, वह सब परिणाम के विपरीत गए हैं। एग्जिट पोल दिखाने के नाम पर टीवी चैनल अपनी टीआरपी बढ़ाने का उपक्रम करते नजर आते हैं। उनका विज्ञापन बढ़ता है। इसके बाद इस तरह के भी आरोप लगने भी शुरू हो गए, चुनाव परिणाम में लोगों का विश्वास हो। इसके लिए भी एग्जिट पोल का उपयोग सत्तारूढ़ पार्टी के पक्ष में किया जाता है। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव और 2019 के लोकसभा चुनाव में इस तरह की बात भी सामने आई। ताकि लोग जो परिणाम घोषित हुए हैं उन पर सरकार के कार्यों पर मोहर लगाने का काम किया गया। इस बार चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर भी लोगों में बड़ा अविश्वास देखने को मिल रहा है। ईवीएम मशीन और आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन वाले मामले में चुनाव आयोग की भूमिका की लगातार आलोचना हो रही है। 2024 के लोकसभा चुनाव में आयोग की विश्वसनीयता भी कसौटी में कसी जा रही है। 2024 के जब लोकसभा चुनाव परिणाम सामने आएंगे तब स्थिति और भी स्पष्ट होगी। 2004 में जो एग्जिट पोल के परिणाम सामने आए थे, उसमें एसी नीलसन एजेंसी ने भाजपा को 240, कांग्रेस को 198 तथा अन्य दलों को 110 सीट एग्जिट पोल में बताई गई थी। ओआरजी मार्ग ने भाजपा को 248 और कांग्रेस को 190 तथा अन्य को 105 सीट दिलवाईं थीं। सी वोटर ने भाजपा को 263, कांग्रेस को 180 तथा अन्य को 92 सीट दीं थीं। वास्तविक रूप से जब परिणाम आए, तो 2004 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 181, कांग्रेस को 208 एवं अन्य दलों को 59 सीटें प्राप्त हुईं थीं। 2009 के लोकसभा चुनाव में सीएनएन के एग्जिट पोल में भाजपा को 175, कांग्रेस को 195 और अन्य दलों को 150 सीटों का रुझान बताया गया था। स्टार नीलसन ने अपने सर्वे में भाजपा को 196, कांग्रेस को 199 और अन्य को 136 सीट वहीं सी वोटर ने भाजपा को 189, कांग्रेस को 195 तथा अन्य को 144 सीटों पर बढ़त दिखाई थी। वास्तविक नतीजे जब आए तो उसमें भारतीय जनता पार्टी को 159 सीट, कांग्रेस को 262 और अन्य दलों को 106 सीटें प्राप्त हुईं थीं। 2014 के एग्जिट पोल में सीएनएन ने भाजपा को 276, कांग्रेस को 97, अन्य को 148 सीट, इंडिया टुडे ने भाजपा को 272, कांग्रेस को 115 तथा अन्य को 156, चाणक्य ने भाजपा को 340, कांग्रेस को 70 और अन्य को 133 सीटों पर बढ़त बताई थी। वास्तविक नतीजे में भाजपा प्लस को 336 सीट, कांग्रेस को 66 और अन्य को 147 सीट प्राप्त हुई थी। 2019 के लोकसभा चुनाव में टाइम्स नाउ के एग्जिट पोल में भाजपा प्लस 306, कांग्रेस 132 अन्य 104, टुडे चाणक्य भाजपा को 340, कांग्रेस को 70 अन्य को 133, सी वोटर ने भाजपा को 287, कांग्रेस को 128 तथा अन्य को 127 सीट पर बढ़त बताई थी। वास्तविक नतीजे में भारतीय जनता पार्टी प्लस को 352, कांग्रेस को 97 और अन्य को 94 सीट प्राप्त हुई थी। पिछले चार लोकसभा चुनाव के यदि एग्जिट पोल को देखें तो सभी एग्जिट पोल गलत साबित हुए। ऐसी स्थिति में इंडिया गठबंधन के सहयोगी राजनीतिक दलों ने पहले कहा कि यह टीवी चैनलों का प्रोग्राम है। इनका वास्तविकता से कोई लेना-देना नहीं होता। टीवी चैनल अपने प्रोग्राम में पत्रकारों और चुनावी विशेषज्ञों को बुलाएं। इस कार्यक्रम में राजनीतिक दलों के नेताओं का कोई काम नहीं है। एग्जिट पोल वास्तविक्ताओं से बहुत दूर होते हैं। इस प्रकार विपक्षी राजनीतिक दलों द्वारा एग्जिट पोल का बहिष्कार कर दिया गया। यह अलग बात है कि शाम होते ही इंडिया गठबंधन ने फैसला लिया कि एग्जिट पोल के कार्यक्रमों में वो अपने प्रवक्ता भेजेंगे। ऐसी स्थिति में आगे चलकर एग्जिट पोल को लेकर टेलीविजन चैनलों में चुनाव परिणामों को लेकर जो माहौल बनाया जाता है, उसमें अब वह आकर्षण नहीं रहेगा। पिछले कुछ समय से सभी टीवी चैनल सरकार के पक्ष में काम करते हुए नजर आते हैं। इस कारण भी विपक्ष, मीडिया की वर्तमान भूमिका को देखते हुए बहिष्कार करने का जो निर्णय लिया है यह नेशनल टीवी चैनलों के लिए एक झटका है।

आरबीआई ने बैंक पर ही लगाया 88.70 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली। देश का सबसे बड़ा बैंक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) सभी बैंकों पर नजर और उनके कामकाज की जानकारी रखता है लेकिन कोई बैंक उसके बनाए नियमों की अनदेखी करता है तो आरबीआई उस बैंक पर जुर्माना लगाता है। इसी कड़ी में आरबीआई ने कुछ रेगुलेटरी नॉर्म्स का पालन न करने पर एसबीएम बैंक (इंडिया) पर 88.70 लाख रुपए का जुर्माना ठोका है। रिजर्व बैंक ने कहा कि बैंक पर जुर्माना आरबीआई की लाइसेंस से जुड़े शर्तों का नॉन-कंप्लायंस पर लगाया गया है। इसके अलावा लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम (एलआरएस) के तहत लेनदेन को तत्काल प्रभाव से रोकने के निर्देश भी दिए हैं। बैंक को दो अलग-अलग नोटिस जारी किए गए है, जिनमें उसे कारण बताने को कहा गया है। नोटिसों पर बैंक के उत्तर, उसके द्वारा किए गए जवाब के बाद आरबीआई ने पाया कि एसबीएम बैंक (इंडिया) के खिलाफ आरोप सही पाए गए हैं, जिसके लिए मॉनेटरी पेनल्टी लगाया जाना जरूरी है। बैंक ने लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम के तहत भी कुछ लेनदेन किए, जबकि आरबीआई ने ऐसे लेनदेन को तत्काल प्रभाव से रोकने का निर्देश था। आरबीआई ने कहा कि जुर्माना रेगुलेटरी कंप्लायंस में कमियों पर आधारित है और इसका उद्देश्य बैंक अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी लेनदेन या समझौते की वैधता पर कोई प्रभाव डालना नहीं है।

ज्यादा टैक्स मिलने से केंद्र का राजकोषीय घाटा संशोधित अनुमान से कम रहा

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2024 में ज्यादा टैक्स मिलने से केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा संशोधित अनुमान से भी कम रहा है। संशोधित अनुमान में जीडीपी का 5.8 फीसदी राजकोषीय घाटा रहने की बात कही गई थी लेकिन आंकड़ा जीडीपी का 5.6 फीसदी रहा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार केंद्र के राजस्व और व्यय में 16.54 लाख करोड़ रुपए का अंतर आया जबकि बजट में यह अंतर 17.86 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान था। पिछले वित्त वर्ष के लिए राजकोषीय घाटा जीडीपी का 5.9 फीसदी रहने का शुरुआती अनुमान था, जिसे अंतरिम बजट में घटाकर 5.8 फीसदी कर दिया। जब केंद्र सरकार कमाई से ज्यादा खर्च कर देती है तो खजाने को घाटा होता है। वित्त वर्ष 2024 में शुद्ध कर प्राप्तियां 23.27 लाख करोड़ रुपए थी जो अनुमान से ज्यादा रहीं। इस दौरान सरकार का कुल खर्च 44.43 लाख करोड़ रुपए रहा, जो बजट राशि का 99 फीसदी है। इस बीच अप्रैल में अप्रत्याशित राजस्व खर्च करने के कारण 2.1 लाख करोड़ रुपए का राजकोषीय घाटा हो गया, जो पूरे साल के लक्ष्य का 12.5 फीसदी है। केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2025 में राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 5.1 फीसदी या 16.85 लाख करोड़ रुपए पर रोकने का लक्ष्य है। 2025-26 में घाटा जीडीपी के 4.5 फीसदी पर रोकने के लिए यह जरूरी है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि बढ़िया कर मिलने और आरबीआई से उम्मीद से बहुत ज्यादा अधिशेष मिलने के कारण चालू वित्त वर्ष में खजाने की स्थिति अच्छी रहेगी।

लग्जरी कारों की रेंटल बाजार में बढ़ी मांग, 40फीसदी की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। देश के लग्जरी कारों का रेंटल बाजार में मांग बढ़ी है। मुंबई, बेंगलुरु और दिल्ली जैसे शहरों में, जहां एग्जीक्यूटिव ट्रैवलर ज्यादा हैं। टेक सेक्टर से जुड़े मिलेनियल्स और जेन जेड जैसे युवा इस मांग को ज्यादा बढ़ा रहे हैं। खास मौकों और घरेलू यात्राओं के लिए महंगे और सुविधाओं से लैस वाहन किराए पर लेते हैं। युवा शादी, पार्टी, जन्मदिन और छुट्टियों में लग्जरी कार किराए पर लेना पसंद करते हैं। मर्सिडीज जीएलई, बीएमडब्ल्यू एस सीरीज और मर्सिडीज एस क्लास जैसे मॉडल का किराया 10,000 रुपये से शुरू होकर 50,000 रुपये तक होता है। मर्सिडीज मेबैक, रेंज रोवर वोग और रोल्स रॉयस जैसी अल्ट्रा-लग्जरी या स्पोर्ट्स कारों का किराया 50,000 से लेकर 5 लाख रुपये तक है। लग्जरी कार रेंटल कंपनी लक्सोराइड्स ने अप्रैल 2024 तक दिल्ली से ऋषिकेश, वृंदावन और जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क के साथ ही चंडीगढ़ से मनाली और चंडीगढ़ से लद्दाख जैसे मार्गों पर बुकिंग में पिछले साल से 40फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

एलपीजी सिलेंडर की कीमतें 72 रुपये तक घटीं

लगातार तीसरे माह कीमतों में कमी आई

नई दिल्ली।

व्यवसाहिक उपयोग वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतें कम हुई हैं। तेल कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 72 रुपये तक घटा दिये हैं। जून महीने के पहले ही दिन हुई इस घोषणा से इस सिलेंडर का उपयोग कर रहे व्यवसायियों को लाभ होगा, घटी हुई कीमतें आज से ही प्रभावीं होंगी। कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में लगातार तीसरे माह कटौती की गयी हैं। वहीं कंपनियों ने 14.2 किलो वाले घरेलू सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और ये पहले की तरह ही हैं।

दिल्ली में कमर्शियल सिलेंडर की कीमतें 69.50 रुपए कम हुई हैं। अब राष्ट्रीय राजधानी में यह 1676 रुपए मिलेगा। वहीं कोलकाता में सिलेंडर के रेट 72 रुपए तक कम हुए है। अब यहां सिलेंडर 1787 रुपए में मिलेगा। वहीं मुंबई में सिलेंडर के दाम 69.50 रुपए कम हुए हैं और ये 1629 रुपये में मिलेगा। चेन्नई में सिलेंडर 1840.50 रुपए का हो गया है। वहीं चंडीगढ में 19 किलो का कमर्शियल सिलेंडर अब 1697 रुपये में मिलेगा जबकि पटना में इसकी कीमतें 1932 रुपये हो गयी हैं। मध्यप्रदेश के भोपाल में 1704 रुपये तो उत्तर प्रदेश के लखनऊ में 19 किलोग्राम का कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 2050 रुपये में मिलेगा। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर का रेट लगातार तीसरे महीने घटाया गया है। 1 मई को ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 19 किलो वाले कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम 19 रुपए तक कम किए थे। मई में सिलेंडर के दाम नई दिल्ली में 1745.50 रुपए, कोलकाता में 1859 रुपए, मुंबई में सिलेंडर का दाम 1698.50 रुपये, चेन्नई में सिलेंडर 1911 रुपए थे जबकि अप्रैल में कमर्शियल सिलेंडर के दाम में करीब 30 रुपये से अधिक की कमी की गई थी। तब दिल्ली में इसकी कीमत 1764.50 रुपये, कोलकाता में 1879 रुपये और मुंबई में 1717.50 रुपये, चेन्नई में 1930 रुपये हुई थीं।

बीएसई ने एआईपीएल में एसएंडपी डॉव जोन्स इंडेक्स की पूरी हिस्सेदारी की अधिग्रहण

नई दिल्ली। प्रमुख शेयर बाजार बीएसई लिमिटेड ने एशिया इंडेक्स प्राइवेट लिमिटेड (एआईपीएल) में एसएंडपी डॉव जोन्स इंडेक्स की पूरी इक्विटी हिस्सेदारी का अधिग्रहण कर लिया है। साथ ही एआईपीएल एक्सचेंज की अब पूरी अनुषंगी कंपनी बन गई है। एआईपीएल एसएंडपी डीजेआई और बीएसई के बीच एक संयुक्त उद्यम था और यह लोकप्रिय सूचकांक सेंसेक्स की गणना और रखरखाव के लिए जाना जाता है। बीएसई ने कहा कि एआईपीएल उन ग्राहकों को अपनी सेवाएं प्रदान करता रहेगा जो उसके सूचकांकों या आंकड़ा उत्पादों की सदस्यता लिए हुए हैं।

हुण्डई ने खोला फास्ट चार्जिंग स्टेशन, सभी गाड़ियां होंगी चार्ज

नई दिल्ली। हुंडई की इलेक्ट्रिक गाड़ियों को अब चार्ज करने की समस्या नहीं होगी। कंपनी ने अपना पहला 180 किलोवाट डीसी फास्ट चार्जिंग स्टेशन खोला है। यह चन्नई के स्पेंसर प्लाजा मॉल में खोला है। इसमें 150 किलोवाट और 30 किलोवाट के दो कनेक्टर दिए गए हैं। हुंडई पूरे तमिलनाडु में 100 से अधिक हाई-स्पीड ईवी सेंटर खोलने की तैयारी में है। यह चार्जिंग स्टेशन गाड़ियां चार्ज करते समय ग्राहकों को खुशी देने के लिए कॉफी शॉप, रेस्टोरेंट और बाजारों के पास बनाया जाएगा। कंपनी ईवी फास्ट चार्जिंग स्टेशन पर हुंडई ही नहीं अन्य कंपनियों की इलेक्ट्रिक गाड़ियां भी चार्ज हो सकेंगी।मॉय हुंडई एप में इस चार्जिंग सेंटर को लोकेट करने की सुविधा है। साथ ही ऐप में प्री-बुकिंग की सुविधा दी है। ऐप के जरिए पैसे का भुगतान भी किया जा सकता है। आप मॉय हुंडई ऐप से चार्जिंग स्टेशनों को ढूंढ सकते हैं, वहां जाने का रास्ता देख सकते हैं। बुक कर सकते हैं। ऑनलाइन पेमेंट कर सकते हैं और गाड़ी चार्ज हो रही है या नहीं, ये भी देख सकते हैं।

देश की अर्थव्यवस्था ने भरी रफ्तार, 8.2प्रतिशत की दर से बढ़ी जीडीपी ग्रोथ

(एजेंसी)

लोकसभा चुनाव के सातवें चरण की वोटिंग से ठीक दिन पहले इकोनॉमी के मोर्चे पर अच्छी खबर आई है। देश की अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2023-24 की मार्च तिमाही में सालाना आधार पर 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। इसके साथ ही पूरे वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर बढ़कर 8.2 प्रतिशत हो गई। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी-मार्च 2024 में जीडीपी वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही जो एक साल पहले की समान तिमाही में 6.2 प्रतिशत थी। हालांकि अक्टूबर-दिसंबर, 2023 की तुलना में मार्च तिमाही की वृद्धि रफ्तार में नरमी आई है। दिसंबर तिमाही में देश की अर्थव्यवस्था 8.6 प्रतिशत की उच्च दर से बढ़ी थी। जीडीपी निश्चित अवधि में देश की भौगोलिक सीमा के भीतर उत्पादित अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्य को बताता है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के अनुसार पूरे वित्त वर्ष 2023-24 में देश की जीडीपी 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। वित्त वर्ष 2022-23 में जीडीपी वृद्धि दर सात प्रतिशत रही थी। एनएसओ ने अपने दूसरे अग्रिम अनुमान में वित्त वर्ष 2023-24 के लिए जीडीपी वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत रहने की संभावना जताई थी।

आर्थिक मोर्चे पर भारत के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी चीन की आर्थिक वृद्धि दर जनवरी-मार्च तिमाही में 5.3 प्रतिशत रही है।

मजबूत शहरी मांग से मिली इकोनॉमी को मजबूती

इंफ्रास्ट्रक्चर पर ज्यादा खर्च और मजबूत शहरी मांग ऐसे दो प्रमुख फैक्टर है, जिससे भारत की इकोनॉमी मजबूत बनी हुई है। यही कारण है कि भारतीय रिजर्व बैंक को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025 में अर्थव्यवस्था लगभग 8प्रतिशत की दर से बढ़ेगी।

अंबानी को पीछे छोड़ अडानी बने एशिया के सबसे अमीर इंसान

-गौतम अडानी की नेटवर्थ में 5.45 अरब डॉलर की तेजी

नई दिल्ली।

भारत में वैसे तो अमीरों की संख्या कम नहीं हैं। यहां एक से बढ़कर एक अमीर रहते हैं। जिसमें मुकेश अंबानी और गौतम अडानी का नाम सबसे ऊपर आता है लेकिन यह दोनों ही एशिया की अमीरों की सूची में ऊपर नीचे होते रहते हैं। अब अमीरों की सूची में फिर बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। गौतम अडानी अब एशिया के सबसे बड़े रईस बन गए हैं। उन्होंने रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को पीछे छोड़ दिया है। बुलूमबर्ग बिलियन्स इंडेक्स के मुताबिक को अडानी की नेटवर्थ में 5.45 अरब डॉलर की तेजी आई जिसके साथ ही उनकी नेटवर्थ 111 अरब डॉलर पहुंच गई। अडानी दुनिया के अमीरों की सूची में 11वें और एशिया में पहले नंबर पर आ गए हैं। दूसरी ओर मुकेश अंबानी 109 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 12वें और एशिया में दूसरे नंबर पर हैं। अडानी शुक्रवार को सबसे ज्यादा कमाई करने वाले अरबपति थे। इस साल उनकी नेटवर्थ में 26.8 अरब डॉलर की तेजी आई। पिछले साल जनवरी में एक रिपोर्ट के कारण अडानी ग्रुप के शेयरों में गिरावट आई थी लेकिन उन्होंने काफी हद तक इसकी भरपाई कर ली है।

अडानी ग्रुप के शेयरों में हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को काफी तेजी रही। कारोबार के दौरान इनमें 14 फीसदी तक तेजी आई। ग्रुप की होल्डिंग कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर सात फीसदी बढ़कर 3416.75 पर बंद हुआ। अडानी पोर्ट्स का शेयर भी चार फीसदी से ऊपर जाकर 1,440 रुपए पर बंद हुआ। अडानी पावर में कारोबार के दौरान 14 फीसदी तेजी आई और अंत में नौ फीसदी तेजी के साथ 759.80 पर बंद हुआ। इसी तरह अडानी टोटल गैस का शेयर भी नौ फीसदी की तेजी के साथ 1,044.50 रुपए पर पहुंच गया। अडानी विल्मर में तीन फीसदी और अडानी ग्रीन एनर्जी तथा अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस में दो फीसदी की बढ़त हुई। एनडीटीवी में आठ फीसदी, अंबूजा सीमेंट और एसीसी में दो फीसदी तेजी रही।

एक्सयूवी 3एक्सओ की 2500 गाड़ियां बेच कर महिंद्रा ने बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। महिंद्रा एक्सयूवी 3एक्सओ एसयूपी का क्रेज नई पीढ़ी के सिर चढ़कर बोल रहा है। कंपनी ने पूरे भारत में इसकी डिलिवेरी शुरू कर दी है। कंपनी के मुताबिक दो दिनों में 2500 गाड़ियां ग्राहकों तक पहुंच चुकी हैं। महिंद्रा एक्सयूवी 3एक्सओ की पहले एक घंटे में ही 50,000 से ज्यादा बुकिंग मिल गईं थी। ग्राहक इस गाड़ी को कंपनी की वेबसाइट या महिंद्रा डीलरशिप पर जाकर बुक कर सकते हैं। महिंद्रा एक्सयूवी 3एक्सओ एमएक्स1,एमएक्स2, एमएक्स3, एमएक्स2प्रो, एमएक्स3प्रो, एएक्स5 एएक्स5, एएक्स5एल, एएक्स7 और एएक्स7एल वेरिएंट्स में उपलब्ध है। वहीं इस गाड़ी की कीमत 7.49 लाख से शुरू होकर 15.49 लाख रुपए है। इस गाड़ी में 10.25-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, एक ऑल-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट पैनल, नया स्टीयरिंग व्हील, डुअल-ज़ोन क्लाइमेट कंट्रोल, वायरलेस चार्जर, एम्बिएंट लाइटिंग, 360-डिग्री सराउंड कैमरा, लेदरेट सीटें, अपडेटेड सेंटर कंसोल, रियर एसी वेंट, पैनोरमिक सनरूफ, लेवल 2 एडीएएस, हरमन कारडोन साउंड सिस्टम और डुअल जोन क्लाइमेट कंट्रोल जैसे फीचर्स मौजूद हैं। इसमें एम्सयूपी 3एक्सओ में एडरेनोक्स कनेक्ट की सुविधा भी दी है, जो 80 से भी ज्यादा फीचर्स देता है। इसमें ट्रिप समरी, रिमोट व्हीकल कंट्रोल, एलेक्सा बिल्ट-इन, व्हीलकल स्टेट्स मॉनिटरिंग और इन होम एलेक्सा जैसी अन्य सुविधाएं दी गई हैं।

फार्मास्युटिकल निर्यात के लिए भारत की नजर ब्रिटेन-अमेरिका पर

बेल्जियम, नीदरलैंड और ब्रिटेन में रोड शो करने की है योजना

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2025 में भारत की नजर 31 अरब डॉलर के फार्मास्युटिकल निर्यात पर है। इसके लिए ब्रिटेन और अमेरिका उसका लक्ष्य हैं। वित्त वर्ष 2024 में भारत ने 27.9 अरब डॉलर के औषधि उत्पादों का निर्यात किया था जो एक साल पहले की तुलना में 9.6 फीसदी ज्यादा था। फार्मास्युटिकल एक्सपोर्ट्स प्रमोशन काउंसिल के महानिदेशक उदय भास्कर ने कहा कि समूह का लक्ष्य ब्रिटेन को एक अरब डॉलर का फार्मास्युटिकल निर्यात करना है जहां जेनेरिक दवा की मांग बढ़ी है। उन्होंने बताया कि हम इसको लेकर नवंबर या उसके आसपास बेल्जियम, नीदरलैंड और ब्रिटेन में रोड शो करने की भी योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक वित्तीय सहायता वाली ब्रिटेन की नैशनल हेल्थ सर्विस (एनएचएस) कमी के कारण नुस्खों के अनुसार तुरंत दवा देने में असमर्थ है और उसका उद्देश्य स्वास्थ्य देखभाल की लागत कम करना है। इससे जेनेरिक दवाओं की मांग बढ़ेगी। वित्त वर्ष 2025 में ब्रिटेन निर्यात का आशाजनक केंद्र है। वित्त वर्ष 2024 में ब्रिटेन को भारत का दवा निर्यात पिछले साल की तुलना में 21.1 फीसदी बढ़कर 78.432 करोड़ डॉलर हो गया है। पिछले वर्ष 8.28 फीसदी तक की गिरावट के बाद इसमें इजाफा हुआ। भारत के औषधि निर्यात में ब्रिटेन की हिस्सेदारी 2.82 फीसदी है। भारतीय दवा निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी 31 फीसदी है और बाजार भी बढ़ रहा है। दवाओं की कमी के कारण वित्त वर्ष 2024 में अमेरिका को भारतीय निर्यात में पिछले साल के मुकाबले 15.6 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। भास्कर ने कहा कि अमेरिका भारतीय दवा विनिर्माताओं के लिए एक मजबूत शक्ति बना रहेगा क्योंकि वहां 90 फीसदी से ज्यादा नुस्खे सस्ती जेनेरिक दवाओं वाले होते हैं। साल 2022 में अमेरिका में दिए गए 10 में से चार नुस्खों के लिए भारतीय कंपनियों ने सप्लाई की थी।

अडानी का स्टॉक 3 साल में 92 से 726 पर पहुंचा, ब्रोकरेज ने दी पैसा लगाने की सलाह

नई दिल्ली।

अडानी पावर लिमिटेड के शेयर ने पिछले कारोबारी सत्र यानी शुक्रवार में नया रिकार्ड हाई बनाया। इंट्राडे में यह अडानी स्टॉक 79750 रुपये पर पहुंच गया। बाद में यह 8.82 फीसदी की तेजी के साथ 756.65 रुपये पर बंद हुआ। अडानी पावर एक मल्टीबैगर स्टॉक है। इस शेयर ने तीन साल में निवेशकों को 670 फीसदी रिटर्न दिया है। ब्रोकरेज हाउसेज ने इस शेयर में आगे और तेजी आने का अनुमान जताया है। शुक्रवार को शेयरों में आई तेजी के साथ ही अडानी पावर का बाजार पूंजीकरण बढकर 2.92 लाख करोड़ रुपये हो गया। पिछले कारोबारी सत्र में 19.58 करोड़ रुपये मूल्य के कुल 2.74 लाख शेयरों की खरीद-फरोख्त हुई। अडानी पावर स्टॉक का रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स 67.1 है। जो यह बताता है कि यह शेयर अभी न तो 'ओवरबॉट' जोन में है और न ही 'ओवरसोल्ड' जोन में है। अभी यह शेयर अपने 10,20,30,50,100 और 200 दिन की मूविंग एवरेज से ऊपर ट्रेड कर रहा है। इससे पता चलता है कि यह स्टॉक अभी बुलिश जोन में ट्रेड कर रहा है। स्टॉक्सबॉक्स के टेक्निकल एनालिस्ट कुशल गांधी ने अडानी पावर शेयर को खरीने की सलाह दी है। गांधी ने इसका टार्गेट प्राइस 790 रुपये तय किया है और निवेशकों को 655 रुपये पर स्टॉप लॉस रखने को कहा है। सैमको सिक्योरिटीज ने भी अडानी पावर पर बुलिश है। ब्रोकेरज ने निवेशकों को 'बाय ऑन डिप' रणनीति अपनाने की सलाह दी है। ब्रोकरेज का कहना है, भारत की बिजली की मांग इस सीजन में 260 गीगावॉट तक पहुंचने की उम्मीद है। बिजली खपत बढने से अडानी पावर जैसी कंपनियों को मांग पूरा करने के लिए उत्पादन बढाना होगा। थर्मल पावर की क्षमता में इजाफा करने से अडानी पावर को इस बढी मांग का फायदा होगा।

पेट्रोलियम क्रूड पर लगाने वाले विंडफॉल टैक्स में हुआ बदलाव

नई दिल्ली।

भारत सरकार ने पेट्रोलियम क्रूड पर अप्रत्याशित कर को 5,700 से घटाकर 5,200 (62.33) प्रति मीट्रिक टन कर दिया है। नई दरें 1 जून 2024 से प्रभावी हो गई हैं। भारत सरकार ने इस लेकर 31 मई को एक नोटिफिकेशन जारी की। भारत सरकार हर दो हफ्ते पर विंडफॉल टैक्स में बदलाव करती है। भारत सरकार की आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, डीजल, पेट्रोल और विमान ईंधन या एटीएफ के निर्यात पर सेंड को शून्य पर बरकरार रखा गया है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के मूल्यों में गिरावट को देखकर ऐसा किया गया है। तेल विपणन करने वाली सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के अनुसार दिल्ली में विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत 6,673.87 रुपये प्रति किलोलीटर (6.5 प्रतिशत) घटकर 94,969.01 रुपये प्रति किलोलीटर रह गई। इसके पहले एक मई को इसकी कीमत में 749.25 रुपये प्रति किलोलीटर या 0.7 प्रतिशत की मामूली वृद्धि की गई थी। मुंबई में एटीएफ दर 95,173.70 रुपये प्रति किलोलीटर से घटकर 88,834.27 रुपये प्रति किलोलीटर रह गई। स्थानीय करों के आधार पर हर राज्य में कीमतें अलग-अलग होती हैं। भारत सरकार ने 16 मई को पेट्रोलियम पर विंडफॉल टैक्स को 8,400 से घटाकर 5,700 रुपये प्रति मीट्रिक टन कर दिया था। इसके पहले विंडफॉल टैक्स को 9,600 से घटाकर 8,400 रुपये प्रति मीट्रिक टन किया गया था।

भारत ने पहली बार एक जुलाई 2022 को विंडफॉल टैक्स अप्रत्याशित लाभ पर कर लगाया था। इसके साथ ही वह उन देशों में शामिल हो गया जो ऊर्जा कंपनियों के असाधारण लाभ पर कर लगाते हैं। तेल की पिछले दो सप्ताहों की औसत कीमतों के आधार पर कर दरों की समीक्षा हर पखवाड़े की जाती है। तेल कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत 69 रुपये घटाकर 1,676 रुपये कर दी। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में एक मई को 19 रुपये तथा एक अप्रैल को 30.5 रुपये की कटौती की गई थी। हालांकि, घरेलू उपयोग में आने वाली रसोई गैस (14.2 किलोग्राम) सिलेंडर की कीमत 803 रुपये प्रति सिलेंडर ही रहेगी।

एयर इंडिया का विमान 24 घंटे देरी से उड़ा, डीजीसीए ने नोटिस थमाकर पूछा देरी क्यों हुई?

नई दिल्ली।

बीते कुछ दिनों से एयर इंडिया को लेकर कई विवाद सामने आए हैं। अब दो अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में हुई 'अत्यधिक' देरी की वजह से एयर इंडिया की खूब किरकिरी हो रही है। अब इस लेट-लतीफी पर डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) भी सख्त हो गया है। डीजीसीए ने उड़ानों में अत्यधिक देरी और यात्रियों की समुचित देखभाल में नाकाम रहने के लिए एयरलाइन को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। साथ ही देरी से उड़ान के लिए कारण बताने को कहा है।नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उड़ानों में देरी और यात्रियों को हुई असुविधा के इस मामले का संज्ञान लिया है। उसी के बाद एयर इंडिया को कारण बताओ नोटिस भेजा गया है। डीजीसीए ने नोटिस में कहा कि एयर इंडिया के खिलाफ कई बार यात्री सुविधा से जुड़े मानकों का ध्यान न रखे जाने के मामले उसके संज्ञान में आ चुके हैं। डीजीसीए का कहना है,एयर इंडिया बार-बार यात्रियों का ध्यान रख पाने में नाकाम हो रही है। वह यात्रियों को एयरलाइंस की तरफ से दी जाने वाली सुविधाओं के प्रावधानों का भी पालन नहीं कर रही है। एयर इंडिया को यह बताना होगा कि उसके खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जाए।डीजीसीए ने इस नोटिस में 30 मई को दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को की उड़ान एआई 183 और 24 मई को मुंबई से सैन फ्रांसिस्को की उड़ान एआई 179 में हुई अनावश्यक देरी का जिक्र करते हुए जवाब मांगा है। एयर इंडिया की दोनों उड़ानें केबिन के अंदर तापमान नियंत्रित न होने की वजह से काफी देरी से संचालित हुई थीं और यात्रियों को बहुत असुविधा का सामना करना पड़ा था। एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-183 को 30 मई की दोपहर करीब 3:20 बजे दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सैन फ्रांसिस्को के लिए रवाना होना था। लेकिन, यह अगले दिन ही उड़ान भर सका। सैन फ्रांसिस्को जाने वाला विमान तय समय पर एयरोब्रिज में लग गया था। लेकिन, दो घंटे तक यह उड़ा नहीं। इसका एयर कंडीशनिंग सिस्टम भी काम नहीं कर रहा था।दो घंटे बाद यात्रियों को विमान से बाहर निकाला गया। चूंकि, इन यात्रियों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत विमान से बाहर नहीं निकाला गया था, लिहाजा इनको टर्मिनल में प्रवेश करने की इजाजत नहीं दी जा सकती थी।

टी-20 विश्वकप : भारत और आयरलैंड की टीमें 5 जून को होंगी आमने-सामने

– रोहित शर्मा बल्ले से बना सकते हैं बड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। टी20 वर्ल्ड कप में भारत और आयरलैंड की टीमें 5 जून को आमने सामने होंगी। इस मैच में भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा बल्ले से बड़ा रिकॉर्ड बना सकते हैं। वर्ल्ड क्रिकेट में 'हिटमैन' के नाम से विख्यात रोहित के पास धाकड़ ओपनर क्रिस गेल के रिकॉर्ड को तोड़कर टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर पहुंचने का मौका है।

रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम अमेरिका पहुंच चुकी है। टीम इंडिया अपने टी20 वर्ल्ड कप के अपने चारों ग्रुप स्टेज के मुकाबले अमेरिका में खेलेगी। आयरलैंड के खिलाफ 3 रन बनाते ही रोहित क्रिस गेल के रिकॉर्ड को ध्वस्त कर तीसरे नंबर पर आ जाएंगे। गेल ने टी20 वर्ल्ड कप में 33 मैचों की 31 पारियों में 965 रन बनाए हैं जिसमें 2 सेंचुरी और 7 हाफ सेंचुरी शामिल है। वहीं रोहित ने 39 मैचों में 127.88 के स्ट्राइक रेट से 963 रन बनाए हैं। रोहित का बेस्ट स्कोर नाबाद 79 रन है। रोहित के बल्ले से 9 अर्धशतक निकले हैं।

टी20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम है। कोहली ने 27 मैचों में 1141 रन बनाए हैं जिसमें 14 हाफ सेंचुरी शामिल है। विराट का विश्व कप में बेस्ट स्कोर नाबाद 89 रन है। विराट के बाद दूसरे नंबर पर श्रीलंका के पूर्व कप्तान माहेला जयवर्धने हैं। जयवर्धने ने 31 मैचों में 1016 रन जुटाए हैं। उनके नाम 1 शतक और 6 अर्धशतक दर्ज हैं। टी20 वर्ल्ड कप में सिर्फ विराट और जयवर्धने ही 1000 या इससे ज्यादा रन बनाए हैं।टी20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले शीर्ष 5 में शामिल सिर्फ 2 बल्लेबाज ही अभी भी क्रिकेट खेल रहे हैं। बाकी तीन ने संन्यास ले लिया है। विराट और रोहित सक्रिय हैं जबकि जयवर्धन, गेल और तिलकरत्ने दिलशान क्रिकेट छोड़ चुके हैं।

ऐसे में इस बाद टॉप 5 में नए खिलाड़ियों की एंट्री हो सकती है। ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर 806 रन के साथ छठे नंबर पर हैं जबकि इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर 799 रन के साथ सातवें नंबर पर विराजमान हैं। शाकिब अल हसन के नाम 742 रन दर्ज है। बता दें कि भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा रिकॉर्ड 9वीं बार टी20 वर्ल्ड कप में शिरकत करने गए हैं। उन्होंने 2007 से लेकर अभी तक जितने भी टी20 वर्ल्ड कप आयोजित हुए हैं, उन सभी में 'हिटमैन' ने हिस्सा लिया है। भारतीय टीम विंडीज और अमेरिका में आयोजित होने वाले इस विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत कमजोर आयरलैंड टीम के खिलाफ करेगी।

फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में पहुंची कोको गॉफ

पेरिस (एजेंसी) । अमेरिका की महिला टेनिस स्टार कोको गॉफ फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में पहुंच गयी हैं। बारिश से प्रभावित इस मुकाबले में कोको ने डायना यास्त्रेमस्का को तीसरे दौर में 6-2, 6-4 से हराया। तीसरी वरीयता प्राप्त गॉफ ने डायना के खिलाफ आसान जीत दर्ज की। अब कोको का मुकाबला कोसियारेटो से होगा।

इस टूर्नामेंट के मैचों में बड़े उलटफेर दर्ज किये गये। इसके तहत ही गैर वरीयता प्राप्त पीटन स्टर्न्स की ने दसवी वरीयता प्राप्तम डारिया कसाटकिना को हरा दिया।

वहीं एक अन्य मुकाबले में इटली की 51 वीं रैंकिंग वाली एलिजाबेटा कोसियारेटो ने 17 वीं रैंकिंग वाली लियूडमिला सैमसोनोवा को 7-6, 6-2 से हराया। इसके अलावा क्वालीफायर ओल्गा दानिलोविच ने डोना वेकिच को 0-6, 7-5, 7-6 से हराकर पहली बार चौथे दौर में प्रवेश किया।

महिला वर्ग में जिन अन्य वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों को बाहर का रास्ता देखना पड़ा उनमें 2017 की चैंपियन और यहां नौवीं वरीय येलेना ओस्टापेंको भी शामिल हैं जिन्हें डेनमार्क की क्लारा टॉसन ने 7-6 (4), 4-6, 6-3 से हराया। इस टूर्नामेंट में 11वीं वरीयता प्राप्त डेनियल कोलिन्स सर्बियाई क्वालीफायर ओल्गा डैनिलोविच से 6-7 (3), 7-5, 6-4 से हार गईं। पुरुष वर्ग में 25वीं वरीयता प्राप्त फ्रांसेस टियाफो और 31वें वरीय मारियानो नवोन भी हार के साथ ही बाहर हो गये हैं। बारिश के कारण लगातार तीसरे दिन खेल प्रभावित रहा।आयोजकों को बारिश की वजह से मैच देर रात तक करवाने के लिए प्रत्येक कोर्ट पर दूधिया रोशनी का सहारा लेना पड़ा।

किंग्स कप के फाइनल में हारी अल नासर, कप्तान रोनाल्डो रो पड़े

जेद्दा (एजेंसी) । दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो अपनी टीम अल नासर के किंग्स कप के फाइनल में अल हिलाल के हाथों हार के बाद अपने आंसू नहीं रोक पाए। रोनाल्डो अपनी टीम की हार के बाद जब स्टेडियम से बाहर निकले तो उनकी आंखों में आंसू थे। यह लगातार दूसरा सत्र है जबकि रोनाल्डो की मौजूदगी के बावजूद अल नासर की टीम सऊदी अरब में कोई बड़ा टूर्नामेंट नहीं जीत पाई।

अल हिलाल ने यह मैच पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से जीता। दोनों टीम अतिरिक्त समय के बाद भी 1-1 से बराबरी पर थी जिसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया। रोनाल्डो टीम की हार के बाद निराशा में जमीन पर लेट गए और उनके साथियों ने उन्हें सांत्वना दी। रोनाल्डो दिसंबर 2022 में अल नासर से जुड़े थे।

अल नासर को यह हार सऊदी प्रो लीग सत्र के समापन के चार दिन बाद मिली है। अल नासर प्रो लीग में अल हिलाल के बाद दूसरे स्थान पर रहा था। अल हिलाल ने 14 अंकों के बड़े अंतर से अपने इस चिर प्रतिद्वंद्वी को पीछे छोड़ा था। रोनाल्डो के लिए राहत की बात यह रही कि उन्होंने प्रो लीग के इस सत्र में रिकॉर्ड 35 गोल किए।

एफआईएच प्रो हॉकी लीग : भारत ने विश्व चैम्पियन जर्मनी को 3-0 से हराया

लंदन (एजेंसी)। भारत ने जर्मनी की कमजोर रक्षापंक्ति का फायदा उठाते हुए 3 गोल दागे जिससे हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली टीम ने शनिवार को यहां एफआईएच प्रो हॉकी लीग में विश्व चैम्पियन को 3-0 से हराकर लंदन चरण में जीत से शुरुआत की। ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत (16वें मिनट), सुखजीत सिंह (41वें मिनट) और गुरजंत सिंह (44वें मिनट) ने जर्मनी की युवा टीम के खिलाफ गोल दागे। जर्मनी ने शानदार शुरुआत की लेकिन अपनी लय बरकरार नहीं रख सकी। विश्व की 5वें नंबर की भारतीय टीम 13 मैचों में 24 अंक लेकर तीसरे स्थान पर बनी हुई है जबकि अर्जेंटीना 14 मैचों में 26 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। भारत ने प्रो लीग के एंटवर्प चरण में अर्जेंटीना को दो बार हराया था। नीदरलैंड 12 मैचों में 26 अंक लेकर तालिका में शीर्ष पर है। भारत के अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने पहले क्वार्टर में जर्मनी के लगातार हमलों को रोकते हुए 2 पेनल्टी कॉर्नर को नाकाम कर दिया। दूसरे क्वार्टर के पहले ही मिनट में हरमनप्रीत ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर दुनिया की तीसरे नंबर की टीम को दबाव में ला दिया। भारतीय कप्तान ने 16वें मिनट में नीची फ्लिक जर्मनी के गोलकीपर एलेक्जेंडर स्टैडलर की ओर बढ़ायी जो बैरी एंथियस से डिफ्लेक्ट होकर गोल में चली गई। इसके बाद सुखजीत ने 41वें मिनट में बढ़त दोगुनी कर दी। सुखजीत ने अभिषेक को पास दिया और सर्कल की ओर दौड़े। अभिषेक ने इसे सुखजीत को वापस दिया जिन्होंने जर्मनी के गोलकीपर को छकाते हुए शानदार शॉट लगाया। इसके 3 मिनट बाद गुरजंत ने भारत के लिए तीसरा गोल दाग दिया। संजय ने गोल लाइन पर गेंद जरमनप्रीत सिंह की ओर बढ़ायी। इस डिफेंडर ने फिर गेंद को गुरजंत को वापस भेज दिया, जिन्होंने स्टैडलर को छकाते हुए गोल दागा। जर्मनी की टीम दबाव में आ गई थी और उसने भारतीय रक्षापंक्ति को भेदने की पूरी कोशिश की। लेकिन श्रीजेश ने उन्हें इसमें सफलता हासिल नहीं करने दी। लगभग 4 महीने बाद प्रतिस्पर्धी हॉकी में वापसी कर रही जर्मनी ने एक दर्जन पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए लेकिन ये सभी बेकार रहे। श्रीजेश ने भी अपनी भूमिका बखूबी निभाई और पहले क्वार्टर में 3 प्रयासों को विफल किया जिसमें 2 पेनल्टी कॉर्नर के थे। भारतीय टीम अब 8 जून को फिर से जर्मनी से भिड़ेगी जिसके बाद उसका सामना दो और नौ जून को ग्रेट ब्रिटेन से होगा।

एमएलसी शुरु होने के बाद अमेरिका में क्रिकेट तेजी से लोकप्रिय हुआ : विराट

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा है कि मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) शुरु होने के बाद यहां क्रिकेट की लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है। विराट ने कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि हम अमेरिका में किसी भी रूप में क्रिकेट खेलेंगे पर अब ये वास्तविकता बन रही है। साथ ही कहा कि ये आपको दुनिया में खेल के बढ़ते प्रभाव के बारे में बताता है।साथ ही कहा कि अमेरिका इस बदलाव को स्वीकार करने के लिए तैयार है।मुझे लगता है कि यह शुरुआत करने का एक बेहतर तरीका है, इसलिए मुझे लगता है कि इसका बहुत बड़ा प्रभाव पड़ेगा।हाल ही में आईपीसी ने एमएलसी को लिस्ट ए का दर्जा दिया है।इससे भी अमेरिका में क्रिकेट तेजी से बढ़ने की उम्मीद है।पिछली बार एमएलसी के पहले सत्र में लोग काफी तादाद में स्टेडियम पहुंचे थे। तब टेक्सास और उत्तरी कैरोलिना में स्टेडियम भरे हुए थे।अब एमएलसी के दूसरे सत्र की तैयारी चल रही है जिसमें बड़ी टीमें भी नजर आयेंगी। कोहली ने एमएलसी के प्रभाव को लेकर कहा कि शुरुआत में जो प्रभाव शुरु हुआ वह आगे भी जारी रहने की उम्मीद है।जैसा कि मैंने कहा, हमारे पास राज्यों में खेल को बनाये रखने और दूसरों को अधिक जागरूक बनाने के लिए पर्याप्त लोग हैं।मुझे लगता है कि इसी प्रकार एमएलसी में भी काफी संभावनाएं हैं।

शुरुआत में उम्मीद नहीं थी इतने लंबे समय तक खेलूंगा : शाकिब

न्यूयार्क। बांग्लादेश के अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन और भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ही ऐसे दो खिलाड़ी हैं जिन्होंने अब तक टी20 विश्व कप के सभी संस्करणों में खेला है।इसी को लेकर शाकिब ने कहा कि उन्हें ऐसी उम्मीद नहीं थी कि वह सभी संस्करणों में खेलेंगे। शाकिब टी20 विश्व कप में अब तक 36 मैचों में 47 विकेट के साथ सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों में शामिल हैं।

एक वीडियो में शाकिब ने कहा कि जब मैंने शुरुआत की थी तो मुझे उम्मीद नहीं थी कि मैं इतने लंबे समय तक खेलूंगा और दूसरी बात यह है कि टी20 क्रिकेट विश्व कप की शुरुआत से लेकर अब तक मैंने और रोहित ने सभी संस्करणों में हिस्सा लिया है। यह मेरे लिए गर्व की बात है और मुझे खुशी है कि मैं देश का प्रतिनिधित्व कर सका।मुझे उम्मीद है कि मैं एक और विश्व कप खेल सकता हूं लेकिन उससे पहले टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करना चाहूंगा और बांग्लादेश पिछले टी20 टूर्नामेंट से बेहतर प्रदर्शन कर सकता है।शाकिब को लगता है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के विकेट टूर्नामेंट में उनके अनुकूल होंगे क्योंकि यह उनके घरेलू पिचों के समान है।शाकिब ने कहा कि यह ठीक है कि अमेरिका मेरा दूसरा घर है लेकिन मुझे लगता है कि हम इसे यहां हासिल कर लेंगे।इससे पहले वेस्टइंडीज और अमेरिका में हम जब खेले थे तो हमने अच्छा प्रदर्शन किया था।हमने फ्लोरिडा में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्होंने कहा कि हमें हमेशा उनका समर्थन मिलता है क्योंकि वे पिचें हमारी घरेलू पिचों से काफी मिलती-जुलती हैं।

कम्पाला की झुग्गियों में बिता है जुमा मियागी का बचपन

– लगभग 60 फीसदी आबादी रहती है यहां झुग्गियों में

नई दिल्ली (एजेंसी) । टी20 वर्ल्ड कप टूर्नामेंट में युगांडा की टीम पहली बार खेलती हुई नजर आएगी। युगांडा ने पिछले साल नवंबर में टी20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई किया। इस टीम में एक ऐसा तेज गेंदबाज है जिसका बचपन युगांडा की राजधानी कम्पाला की झुग्गियों में बिता है। कम्पाला में लगभग 60 फीसदी आबादी झुग्गियों में रहती है और तेज गेंदबाज जुमा मियागी उनके लिये प्रेरणास्त्रोत हैं।

फुटबॉल के शौकीन यहां के निवासी उनकी वजह से चाव से क्रिकेट देखते हैं। आईसीसी टी20 विश्व कप में युगांडा क्रिकेट टीम का पदार्पण उनके लिए किसी सपने से कम नहीं। जुमा मियागी कम्पाला के बाहरी इलाके में नागुरू झुग्गी बस्ती में बड़े हुए। दो साल तक युगांडा की अंडर 19 टीम के लिए खेलने के बाद अब वह एक जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी20 विश्व कप में सीनियर टीम की गेंदबाजी की कमान संभालेंगे। युगांडा ने पिछले साल नवंबर में पहली बार क्रिकेट विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। अब तक 21 टी20 मैचों में 34 विकेट ले चुके मियागी झुग्गियों में बड़े हुए और अभी भी अपने परिवार के साथ वहीं रहते हैं। टी20 विश्व कप में शामिल सिमोन सेसाजी और रिजर्व खिलाड़ी इनोसेंट एमवेबाजे भी झुग्गी से ही निकले हैं। उनके इलाकों में पीने का साफ पानी , सीवेज की व्यवस्था नहीं थी और ना ही स्वास्थ्य सुविधाएं थी।

उनकी कठिनाइयों की कहानी ने युगांडा के भारतीय कोच अभय शर्मा को भी विचलित कर दिया जो टी20 विश्व कप से पहले ही टीम के साथ जुड़े हैं। ऐसा नहीं है कि अभया शर्मा ने कभी झुग्गी बस्ती देखी नहीं है लेकिन कम्पाला की झुग्गियां मुंबई की धारावी से अलग हैं। खिलाड़ियों के साथ समय बिताकर शर्मा का उनके प्रति सम्मान कई गुना बढ गया। उन्होंने त्रिनिदाद से पीटीआई से कहा , 'मैंने सोचा नहीं था कि वे इन हालात में रहते हैं। वे अपने कोचों का काफी सम्मान करते हैं और उन्हें लगता है कि हम उनकी जिंदगी बदल सकते हैं।'युगांडा को विश्व कप में तीन जून को पहले मैच में अफगानिस्तान से खेलना है।

युगांडा क्रिकेट टीम के कोच अभय शर्मा ने यह भी कहा

कि केन्या की तरह के हश्र से बचने के लिए युगांडा क्रिकेट में कुछ बदलाव करने होंगे। कीनिया 2011 के बाद से आईसीसी टूर्नामेंट नहीं खेला है। शर्मा ने कहा ,'अभी तक का अनुभव अच्छा रहा है। कुछ चीजों में बदलाव करना होगा। हमें बुनियादी ढांचा बेहतर करना होगा और अंडर 16 स्तर पर खेल शुरू करना होगा।' बता दें कि आगामी 2 जून से विंडीज और अमेरिका की संयुक्त मेजबानी में आयोजित होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में 20 टीमें भाग ले रही हैं।

फैंस का टूटा दिल, माइक टायसन से यूट्यूबर जेक पॉल का मुकाबला स्वास्थ्य कारणों से हुआ स्थगित

माइक टायसन की यूट्यूबर जेक पॉल से रिंग में वापसी को लेकर फैंस को अभी और इंतजार करना होगा।पूर्व हैवीवेट चैंपियन फिलहाल स्वास्थ्य समस्याओं से गुजर रहे हैं और इसी के डर ने उन्हें वापसी करने से रोक लिया है।मैच को इसके बाद स्थगित कर दिया गया है। आयोजकों ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की है। टायसन जब पिछले रविवार को मियामी से लॉस एंजिल्स आ रहे थे तो उन्हें चिकित्सा इलाज की जरूरत पड़ी थी। चक्कर आने की शिकायत के बाद उन्हें ट्रीटमेंट के लिए ले जाया गया था।20 जुलाई को टेक्सास में पॉल के साथ उनका मैच था।आयोजकों ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि टायसन को गुरुवार को डॉक्टरों के साथ फॉलो अप के बाद आने वाले हफ्तों में कम से कम ट्रेनिंग की सलाह दी गई है।इसके बाद पता चला की उन्हें अल्सर है।जिसके बढ़ने से उन्हें फ्लाइट में समस्याएं आई थीं। साथ ही बयान में कहा गया कि माइक टायसन को सलाह है कि वह अगले कुछ हफ्तों में कम से कम ट्रेनिंग करें और फिर जब मन करे तब पूरी फिटनेस ट्रेनिंग के लिए लौटें।माइक और जेक दोनों इस बात से सहमत हैं कि ये सुनिश्चित करना उचित है कि दोनों एथलीट इस अहम मैच के लिए तैयार है या नहीं। आयोजकों ने कहा कि, एथलीट्स का स्वास्थ्य और कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और हम माइक को जरूरी समय लेने में पूरी तरह से समर्थन करते हैं ताकि वह उस स्तर पर प्रदर्शन कर सकें जिसकी वह खुद से अपेक्षा करते हैं। बयान में कहा गया है कि मुकाबले की नई तारीख की घोषणा सात जून तक की जाएगी।

आईपीएल में टॉस के वक्त ही साफ हो कौन होगा इंपेक्ट प्लेयर : सौरव गांगुली

मुंबई ।पूर्व भारतीय कप्तान और दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक सौरव गांगुली इंडियन प्रीमियर लीग में 'इम्पैक्ट' खिलाड़ी नियम को जारी रखने के पक्ष में हैं लेकिन चाहते हैं कि टीम अपने 'इम्पैक्ट' खिलाड़ी का फैसला टॉस के समय ही करें।हाल में खत्म हुए आईपीएल सत्र के बाद 'इम्पैक्ट' खिलाड़ी नियम काफी चर्चा में रहा क्योंकि इस चरण में 8 दफा 250 रन से ज्यादा का स्कोर बना।गांगुली ने कहा कि वह चाहते हैं कि आईपीएल के आगामी सत्र में मैदान की बाउंड्री और बढ़ा देनी चाहिए।पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा कि मुझे इम्पैक्ट खिलाड़ी नियम पसंद है। आईपीएल में सिर्फ मैं एक चीज चाहता हूं कि इसके लिए मैदान थोड़े बड़े कर देने चाहिए।सीमारेखा को थोड़ा बढ़ा देना चाहिए।गांगुली ने यहां एक कार्यक्रम के इतर कहा कि यह शानदार टूर्नामेंट है।इम्पैक्ट खिलाड़ी नियम के साथ आप सिर्फ एक चीज कर सकते हो कि इसका फैसला टॉस से पहले हो जाए।टॉस से पहले खुलासा करने के लिए आपको कौशल और रणनीति की जरूरत होगी।लेकिन मैं इम्पैक्ट खिलाड़ी नियम के पक्ष में हूं।पृथ्वी साव का इस आईपीएल सत्र में प्रदर्शन इतना शानदार नहीं रहा लेकिन गांगुली का कहना है कि वह अब भी युवा है और छोटे प्रारूप के दाव पेच सीख रहा है।उन्होंने कहा कि वह (साव) काफी युवा है।वह अभी 23 साल का ही है।वह अब भी सीख रहा है कि टी20 क्रिकेट कैसे खेला जाए।वह शानदार प्रतिभा का धनी है और बेहतर ही होगा।कभी कभार हम हर किसी से पहले ही काफी कुछ उम्मीद लगाने लगते हैं और पृथ्वी के कौशल को देखते हुए मुझे पूरा भरोसा है कि वह अच्छा करेगा।

टी20 वर्ल्ड कप: बुमराह गेंदबाजी में और ट्रेविस बल्लेबाजी में छाए रहेंगे

–दोनों ने आईपीएल के 17वें सीजन में किया था शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपनी कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया को दो बार वनडे वर्ल्ड कप दिला चुके रिकी पोंटिंग का कहना है कि आगामी टी20 वर्ल्ड कप में भारत के जसप्रीत बुमराह गेंदबाजी में और ऑस्ट्रेलिया के ओपनर ट्रेविस हेड बल्लेबाजी में छाए रहेंगे। बुमराह और हेड ने आईपीएल के 17वें सीजन में शानदार प्रदर्शन किया था।

बेशक, मुंबई इंडियंस आईपीएल 2024 में बतौर टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई लेकिन जसप्रीत बुमराह ने गेंदबाजी में कमाल का प्रदर्शन किया। बुमराह ने 13 मैच में 20 विकेट झटके जबकि 5 बार की चैंपियन का 17वें सीजन में प्रदर्शन सबसे खराब रहा वहीं ऑस्ट्रेलिया के हेड ने 15 मैच में 567 रन बनाए। पोंटिंग ने 'द आईसीसी रिव्यू' में कहा, 'टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट चटकाने के मामले में मैं जसप्रीत बुमराह को चुनूंगा। मुझे लगता है कि वह बेहतरीन गेंदबाज है और कई वर्षों से योगदान कर रहा है। उसने आईपीएल में भी शानदार प्रदर्शन किया है। वह नई गेंद को स्विंग कर सकता है, सीम अप कर सकता है। लेकिन आईपीएल के अंत में उसका इकोनोमी रेट सात रन प्रति ओवर से कम था।' आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स को कोचिंग देने वाले रिकी पोंटिंग ने कहा, 'वह विकेट लेता है। वह काफी मुश्किल ओवर भी डालता है। जब आप टी20 में इस तरह के मुश्किल ओवर डालते हो तो इससे आपको काफी विकेट झटकने का भी मौका मिलता है। इसलिए मेरी पसंद वही होंगे।' हेड हालांकि आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में चौथे स्थान पर रहे लेकिन उन्होंने सभी को अपनी बल्लेबाजी के तरीके से प्रभावित किया। आईपीएल के ज्यादातर समय में उनका स्ट्राइक रेट 200 से अधिक का रहा और उन्होंने 15 मैच में 567 रन बनाए जिसमें एक शतक और चार अर्धशतक शामिल थे। बकौल रिकी पोंटिंग, 'सर्वाधिक रन जुटाने वाले खिलाड़ी के लिए मेरी भविष्यवाणी ट्रेविस हेड के लिए होगी। मुझे लगता है कि उन्होंने पिछले दो वर्षों में जितना भी सफेद गेंद और लाल गेंद का क्रिकेट खेला है, वो उच्च स्तर का रहा है। मुझे लगता है कि वह इस समय काफी साहसिक क्रिकेट खेल रहे हैं।' बल्ले से शानदार प्रदर्शन के बावजूद हेड आईपीएल के अंतिम चार मुकाबलों में तीन बार शून्य पर आउट हुए। पोंटिंग ने कहा, 'उसका आईपीएल में प्रदर्शन उतार चढ़ाव भरा रहा लेकिन उसने अपनी टीम के लिए काफी मैचों में जीत दिलाई।' भारतीय टीम को पाकिस्तान, अमेरिका, आयरलैंड के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। टीम इंडिया अपने अभियान की शुरुआत 5 जून को आयरलैंड के खिलाफ करेगी। बता दें कि आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। विंडीज और अमेरिका की संयुक्त मेजबानी में आयोजित होने वाले इस मेगा इवेंट में गेंदबाज और बल्लेबाज छाप छोड़ने को बेताब हैं।

ईसीबी ने ऑलराउंडर कार्से पर प्रतिबंध लगाया

लंदन।इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीसबी) ने तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर ब्रायडन कार्से पर सट्टेबाजी के कारण प्रतिबंध लगा दिया गया है।ब्रायडन पर 16 महीने का ये प्रतिबंध लगाया गया है।इस दौरान 13 महीने तक वह निलंबित रहेंगे।कार्से ने 2017 और 2019 के बीच 303 मैचों में सट्टेबाजी की थी, जो कि ईसीबी के नियमों का उल्लंघन है।कार्से ने अपने ऊपर लगे आरोपों को स्वीकार कर लिया है। हालांकि, उन्होंने उन मैचों पर दांव नहीं लगाया था जिनमें वे स्वयं खेल रहे थे।एक रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने डरहम के मैचों पर सट्टेबाजी की थी।इस मामले पर ईसीबी के एक प्रवक्ता ने कहा, हम इन मामलों को बहुत गंभीरता से लेते हैं और क्रिकेट में भ्रष्टाचार विरोधी किसी भी तरह के मामले को सहन नहीं करते हैं।हमें उम्मीद है कि उनका मामला अन्य क्रिकेटरों के लिए एक उदाहरण बन सकता है। वहीं क्रिकेट रेगुलेटर के अंतरिम डायरेक्टर डेव लुईस ने कहा, क्रिकेट रेगुलेटर कदाचार के किसी भी उल्लंघन को गंभीरता से लेता है, इस हरकत के बाद दूसरे क्रिकेटर भी सबक लेंगे।28 साल के बॉलिंग ऑलराउंडर ब्रायडन कार्से ने इंग्लैंड के लिए 14 वनडे मैचों में 15 विकेट लिए हैं, इसके अलावा उन्होंने 32 रन भी बनाए।वहीं, कार्से ने इंग्लैंड के लिए 3 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 4 विकेट लिए हैं। कार्से को भारत में आयोजित हुए एकदिवसीय विश्वकप में भी रीस टॉपले के स्थान पर शामिल किया गया था।टॉपले विश्वकप के दौरान घायली हो गए थे, हालांकि उन्हें खेलने का अवसर नहीं मिला था।कार्से को ईसीबी ने केन्द्रीय अनुबंध में 2 साल के लिए शामिल किया था पर अब वह नहीं खेल पाएंगे।

जब आपका बच्चा बड़ी कक्षा में पहुँचता है तो उसके लिए ट्यूशन या कोचिंग करना आवश्यक हो जाता है, ऐसे समय अपने बच्चे को ही इस बात से अवगत करा दें कि वह अपना ध्यान स्वयं रखें। अपने बच्चे को ट्यूशन भेजने से पहले उसे मानसिक रूप से तैयार करें की उसे क्या पढ़ाई करना है।

बच्चे जब ट्यूशन पढ़ें तो रखें इन बातों का ख्याल

आज के समय में सभी को आगे बढ़ने की होड़ में कुछ अलग करना चाहते है। आप अपने बच्चे को परफेक्ट बनाने के लिए उसकी हर मुश्किल आसान करते है। जब आप किसी विषय को समझाने में मुश्किल का सामना करते है तो ट्यूशन का सहारा लेते है। ट्यूशन पढ़ते समय बच्चा अकेले ही होता है इसलिए आपको इन बातों का ध्यान रखना होगा। अपने बच्चे को ट्यूशन भेजने से पहले उसे मानसिक रूप से तैयार केर दे की उसे क्या पढाई करना है।

उसके साथ ले जाने वाली किताब कॉपी की व्यवस्था करें।

एक माता-पिता होने के नाते आपकी जिम्मेदारी बनती है कि पता करे कि ट्यूशन टीचर आपके बच्चे को ठीक से पढ़ा रहे है या नहीं।

कभी-कभी ट्यूशन टीचर लापरवाही बरतने लगते है, समय- समय पर यह पता करते रहना चाहिए की कही वे समय तो नहीं बिता रहे है। यदि ऐसा है तो पहले उस टीचर से बात करनी चाहिए, संतुष्टि न मिलने पर टीचर बदल देना चाहिए।

कुछ समय के बाद यह अवश्य पता करे की बच्चे को जो पढ़ाया जा रहा है वह सही है या नहीं क्योकि एक बार गलत जानकारी मिलने पर बच्चे की दिशा ही बदल जाएगी और बच्चा दिग्भर्मित हो जायेगा। टीचर का बच्चे पर सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ता है।जब तक बच्चा छोटा है तब तक माँ ही उसकी टीचर है, उससे अच्छा कोई उसे पढ़ा नहीं सकता है। यदि समय की कमी हो तभी अपने बच्चे को ट्यूशन पढ़ने भेजे अन्यथा नहीं।

बच्चों के साथ करें ऐसा व्यवहार

बच्चों का पालना पोषण करना आसान काम नहीं है लेकिन इस दौरान हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि आपका व्यवहार ऐसो हो कि व भविष्य में बेहतर नागरिक बनकर उभरें। बहुत से माता-पिता की आदत होती है कि वो बच्चों पर छोटी छोटी बातों पर चिल्लाते रहते हैं। इससे बच्चों का व्यवहार भी गुस्सैल हो जाता है। बच्चों के साथ अच्छा व्यवहार न केवल आप दोनों के संबंध को अच्छा बनाएगा बल्कि बच्चे के पूर्व विकास में भी सहायक होगा।

चिल्लाने से बिगड़ सकती है बात

शायद ही कोई माता-पिता हों, जिन्हें अपने बच्चों पर चिल्लाना न पड़ता हो। बच्चों की शरारत, जिद, बात न मानना या फिर उनकी कोई गलती करना, गाहे-बगाहे आपको मौका दे ही देता है कि आप उन पर गुस्से से चिल्लाएं। बच्चों के साथ आपके इस व्यवहार का कारण हमेशा बच्चे ही हों ये जरूरी नहीं है। कई बार दफ्तर का तनाव, माता-पिता के आपसी रिश्तों में खटास, थकान से पैदा हुआ चिड़चिड़ापन या फिर खराब स्वास्थ्य ऐसे कारण बन जाते हैं, जिनका गुस्सा हम बच्चों पर उतार देते हैं लेकिन बच्चों पर चिल्लाने से आपके और आपके बच्चों के आपसी संबंध खराब हो सकते हैं। इसके साथ साथ आपकी इस आदत का बुरा असर बच्चों पर पड़ता है।

अगर आप कामकाजी महिला है और आप अपने ऑफिस के लिए तैयार होते होते अपने बच्चों को स्कूल के लिए तैयार करती होंगी। ये बहुत मुश्किल काम है, खासतौर पर तब जब बच्चे छोटे हों। ऐसे में जब बच्चे आपके निर्देशों को मानकर ठीक से तैयार नहीं होते और साथ ही आप को देरी होने लगती है तो आप उनपर चिल्ला देती होंगी। इससे बचने का एक आसान तरीका ये है कि बच्चों के जागने से कुछ देर पहले उठें। अपनी तैयारी कर लें फिर बच्चों को तैयार होने में मदद करें। या फिर पहले बच्चों को तैयार करवा दें, उन्हें नाश्ता करने दें, और उस दौरान आप तैयार हो जाएं। योजना के अनुसार काम से आपको परेशानी नहीं होगी।

रोल मॉडल बनें

बच्चे आमतौर पर वही करते हैं, जो वो अपने माता-पिता से सीखते हैं। अगर वो आपसे चिल्लाने की आदत सीख कर, अपने से छोटे भाई या बहन को फिजूल में डांटें, उन पर बेबात चिल्लाए, तो बेशक आपको अच्छा नहीं लगेगा। जब आप उन पर छोटी-बड़ी बातों पर चिल्लाएंगे, उन्हें बुरी तरह से डाटेंगे तो वो आपसे यही सब सीख कर अपने से छोटों के साथ करेंगे। इस स्थिति से बचने के लिए अपने बच्चों के रोल मॉडल बनें। आप जैसा व्यवहार उनका देखना चाहते हैं, वैसा ही उनके साथ करें।

बच्चों के मुताबिक उम्मीदें लगाएं

हर बच्चे की अपनी अलग क्षमता होती है। आप अपने बच्चे को उसका कमरा साफ करने के लिए कह दें, और वो इस काम को अच्छी तरह से न कर पाए। तो इसका मतलब ये नहीं कि वो आपकी बात नहीं मानता, हो सकता है कि वो उस लिहाज से छोटा हो, या इतना काम उसे न आता हो। बच्चे पर चिल्लाने की बजाय उन उम्मीदों पर ध्यान दें जो आप उनसे लगाते हैं। बच्चों को उनकी उम्र और क्षमता के हिसाब से जिम्मेदारियां दें, जरूरत पड़ने पर उनकी मदद करें।

ऊंची आवाज में बात न करें

बच्चों से जब भी बात करें अपनी आवाज पर खास ध्यान दें। बच्चों से बहुत तेज़ आवाज में बात न करें। बच्चे तेज आवाज से डर जाते हैं और वो अपनी बात सामने नहीं रख पाते। ऐसे में हो सकता है कि आप उन्हें ऐसी बात पर डांट दें, जिसमें उनकी कोई गलती ही न हो। बेहतर रहेगा कि आप अपने गुस्से या नाराजगी पर नियंत्रण करके बच्चे से सामान्य होकर बात करें।

चेतावनी देकर छोड़ें

अगर बच्चा कोई बड़ा नुकसान या गलती कर दे तो उसपर तुरंत चिल्लाएं नहीं। बच्चे को थोड़ा डांट समझा कर चेतावनी दे कर छोड़ दें। वैसे भी, आपके चिल्लाते रहने का कोई सकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा। अगर आप उसे वॉर्निंग देंगे तो वो आगे से वैसी गलती करने से पहले सोचेगा।

चिल्लाए नहीं समझाएं

कई बार ऐसा होता है कि आप एक बात को चिल्ला चिल्ला कर 10 बार कहते हैं लेकिन तब भी आपका बच्चा आपकी बात नहीं सुनता। वो इसलिए, क्योंकि वो आपकी इस आदत का आदि हो चुका है। उसे आपके चिल्लाने से ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। इसलिए अगर आपको बच्चे को कुछ कहना हो तो बजाय कि दूर से चिल्लाते रहने के उसके पास जाएं, उसका ध्यान अपनी ओर खींचे, उससे आंखें मिलाएं और फिर मजबूती से अपनी बात सामने रखें। ऐसे में बच्चा आपको और आपकी बात को अनदेखा नहीं कर सकता।

आजकल के बदलते परिवेश में टेक्नोलॉजी जीवन का एक अभिन्न अंग बनता जा रहा है। जाने-अनजाने हम सभी इसकी गिरफ्त में आ गए हैं। आजकल के बच्चे अपने प्रश्नों का उत्तर ढूंढने के लिए किताबें खंगालने की बजाय गूगल का सहारा लेते हैं। ऐसे में टेक्नोलॉजी का ये दौर बच्चों के मानसिक विकास के लिए प्रश्नचिह्न बनता जा रहा है।

डिजिटल युग में बिगड़ते जा रहे हैं हमारे बच्चे

आज के युग को डिजिटल युग भी कहा जाता है। दरअसल, यह ऐसा समय है जिसमें बेहद छोटी उम्र से ही बच्चों के हाथ में मोबाइल थमा दिया जा रहा है और जब उनकी खेलने-कूदने की उम्र आती है तो वे पूरा दिन सोशल मीडिया पर बिता रहे हैं। आजकल ज्यादातर घरों में अभिभावक बच्चों को व्यस्त रखने के लिए या खाना खिलाते वक्त उनके सामने यूट्यूब वीडियोज और गेम्स खोलकर रख देते हैं ताकि वे इनमें व्यस्त रहें, लेकिन इस बात की गंभीरता को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। इससे न सिर्फ बच्चों की आंखें खराब हो रही है बल्कि व्यवहार में खासा नकारात्मक बदलाव आ रहा है। आजकल छोटे-छोटे बच्चे आसानी से मोबाइल एप्स, गेम्स चला रहे हैं और 8-10 साल के कई बच्चे आपको सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय मिल जाएंगे, अगर आपके बच्चे भी सोशल मीडिया और गूगल के शिकंजे मे फंसते जा रहे हैं तो उन पर किसी भी प्रकार की बंदिश लगाने की बजाय कुछ सावधानियां आजमाएं। इस विषय पर 'जीवनधारा रिहेब्लिटेशन एंड रिसर्च इंस्टिट्यूट बरेली से फिजियोलॉजिस्ट मानसी सिंह राठौड़ आपके लिए कुछ ऐसे टिप्स लेकर आई हैं जो आपको अपनी परवरिश में शामिल करने की जरूरत है।

सोशल मीडिया पर नज़र

सबसे पहले आपको ये ध्यान रखना होगा कि क्या आपका बच्चा उस उम्र में पहुंच चुका है, जिसमें वो सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर सके? क्योंकि छोटी उम्र के बच्चे अक्सर सोशल मीडिया के प्रभाव में आकर गलत कदम उठा लेते हैं या आ प रा धि क विचारधारा के बन जाते हैं और यदि वो सोशल मीडिया के इस्तेमाल के योग्य हो चुका है तो अपने बच्चे से सोशल मीडिया को लेकर बातचीत करें। उससे उसके ऑनलाइन अनुभव के बारे में जानकारी लें। बच्चों को कभी भी अकेले में सोशल मीडिया पर सक्रिय न रहने दें और न ही अकेले में ज्यादा इंटरनेट का इस्तेमाल करने दें, क्योंकि उत्सुकतावश आपका बच्चा सर्च इंजन के जरिए न जाने किस खतरे को आमंत्रण दे सकता है।

बच्चों को ऑनलाइन गेम्स के खतरों के बारे में जानकारी दें और एक समय निर्धारित करें ताकि आपके बच्चे को ऑनलाइन गेम खेलने की लत न लगे। अगर आप चाहें तो लैपटॉप और कंप्यूटर में सर्विलांस सॉफ्टवेयर लगा सकते हैं, जिससे आप इस बात को जान सकेंगे कि आपके बच्चे क्या सर्च कर रहे हैं।

मोबाइल से दूरी

बच्चों को व्यस्त रखने के अलग-अलग तरीके अपनाएं। आजकल बाजार में बच्चों को व्यस्त रखने के लिए तरह-तरह के किट आते हैं, जिससे बच्चों का मानसिक विकास तो होगा ही साथ ही साथ आपका बच्चा मोबाइल से दूर रहेगा। बड़े बच्चों को आउटडोर इनडोर गेम्स खेलने के लिए प्रोत्साहित करिए, जिससे उनके शरीर और मस्तिष्क दोनों का ही विकास होगा और उनमें एक नई ऊर्जा आएगी।

योगा मेडिटेशन

बच्चों में योगा की आदत डालें ताकि आज की भाग-दौड भरी ज़िंदगी में जूझने के लिए तैयार रहें। इससे उनमें एकाग्रता आएगी। सूर्य नमस्कार करने के लिए प्रेरित करें।संस्कार-आजकल के ज्यादातर अभिभावक के लिए परवरिश का अर्थ केवल अपने बच्चों की खाने-पीने, पहनने-ओढने और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना है। इस तरह से वे अपनी ज़िम्मेदारियों से तो मुक्त हो जाते हैं पर कहीं न कहीं उनमें संस्कार डालना भूल जाते हैं या फिर यूं कहें उन्हें मालूम ही नहीं है बच्चों को संस्कारी कैसे बनाया जाए।

बच्चों को बड़ों का आदर करना सिखाएं, दूसरों की मदद करना, विनम्रता जैसे संस्कार, जिनसे वे आत्मनिर्भर और जिम्मेदार बन सकें। डायरी लिखने की आदत एकल परिवार की वजह से बच्चे अपने मन की बात जल्दी नहीं कह पाते जिससे उनमें कुंठा उत्पन्न हो जाती है, इसलिये उनको दिन भर की बातें डायरी में लिखने के लिए प्रेरित करें और अपने बच्चे से दोस्ती करें ताकि वो आपको ही सारी बातें बताए।

क्वॉलिटी टाइम बिताएं

वर्किंग पैरेंट्स के साथ यह समस्या होती है कि उनके पास अपने बच्चों के साथ बिताने के लिए समय नहीं मिल पाता। ऐसे माता-पिता अपने वीकएंड्स अपने बच्चों के लिए ही रखें और सामान्य दिनों में भी उनके क्रियाकलापों पर ध्यान दें उनसे बातचीत करें कि वे क्या करते हैं, उनके दोस्त कौन हैं।

किताबों मे रूचि

मॉरल एजुकेशन वाली बहुत सी किताबें बाजार में उपलब्ध हैं। बच्चों को ऐसी किताबें लाकर दें ताकि उनका ध्यान टीवी, कंप्यूटर और लैपटॉप की ओर कम जाए और उनमें नैतिकता का विकास हो। आधुनिक अभिभावक की सोच है कि मेरा बच्चा, किसी भी स्थिति में किसी से कम न हो और बस इसी भागदौड़ में लगे रहते हैं। बच्चों को सुविधा तो दीजिए, पर ध्यान रहे वो उसका दुरूपयोग न करे।

तीन साल की उम्र से ही बच्चों को अपनी चीजें दूसरे के साथ शेयर करना सिखाना चाहिए। इसी उम्र से चीजें बांटने के साथ-साथ बच्चे एक-दूसरे के साथ अपनी भावनाएं बांटना भी सीखते है। इससे बच्चे बड़े होकर व्यवहार कुशल और सहयोगी प्रवृति के यानी सामाजिक बनते हैं।

अपने बच्चे को बचपन से ही सिखायें शेयर करना

आप सिखाएंगी, वो सीखेगा

बच्चों के मन में अपनी चीजों को लेकर एकाधिकार की भावना होती है और वे अपनी चीजें दूसरों के साथ बांटना नहीं चाहते। ऐसे में आप खुद बच्चे के साथ उसकी चीजें शेयर करें, क्योंकि हर चीज बच्चा सबसे पहले घर से ही सीखता है। बच्चे की चीजों को शेयर करने के साथ आप अपनी चीजें भी दूसरों के साथ शेयर करें। बच्चा देखकर कई चीजें खुद ही सीख लेता है। अगर वह आपके साथ कुछ भी शेयर करने से मना करे तो आप उसे प्यार से समझाएं कि अकेले खाना या खेलना अच्छी बात नहीं, इसलिए मम्मी-डैडी या दादा-दादी को भी दो।

धीरे-धीरे सीखेगा बांटना

बच्चा जैसे-जैसे बड़ा होगा, अपनी चीजें दूसरों के साथ साझा करना भी सीख लेगा। कोई बच्चा कम उम्र में परिपक्व हो जाता है, तो किसी को इसमें वक्त लगता है। जरूरी नहीं है कि हर बच्चा एक ही उम्र में परिवक्व होगा, पर यह जरूर है कि सही चीजें और सही सीख उन्हें सही दिशा देती है। कुछ बच्चों में शेयरिंग की आदत आने में समय लग जाता है और कुछ यह गुण जल्दी सीख लेते हैं। तो धैर्य के साथ बच्चे को शेयरिंग करना सिखाएं, वह जरूर सीखेगा।

न करें जबरदस्ती

बच्चों को शेयरिंग सिखाने में जबरदस्ती बिल्कुल न करें। ध्यान रहे कि शुरू में बच्चों को उन चीजों को बांटने को कहा जाए जो उनके लिए बहुत ज्यादा मायने न रखती हों। बच्चा ऐसे में बांटना सीखेगा। अगर आप बच्चे की सबसे पसंदीदा चीज उसे किसी के साथ साझा करने के लिए कहें, तो यह भी ठीक नहीं है क्योंकि अपनी प्यारी चीज को अक्सर बड़े भी शेयर नहीं करते। हमेशा यह याद रखें कि आखिरकार वह एक बच्चा ही है, तो सब कुछ शेयर करने की उम्मीद उससे न करें। खासकर उसकी प सं दी दा चीज। सच यही है कि कुछ चीजें ऐसी हैं, जिसे आपका बच्चा शेयर नहीं करना चाहता। आप इतना कर सकती हैं कि हालात ऐसे बनाएं कि आपके बच्चे को शेयर करना ही पड़े। जैसे यदि दूसरा बच्चा आपके घर आया है तो दो चीजें रखें और उसमें से एक उसे जरूर दें। इससे बच्चा आसानी से शेयर करना सीखेगा। तो बच्चे को आजमाने की जगह उनको शेयरिंग की आदत पड़ने दें। एक बार जब वह शेयर करना सीख ले, तब आप उससे बड़ी उम्मीदें कर सकती हैं।

तारीफ के दो बोल

बच्चों की तारीफ की जाए तो वे और भी उत्साहित होते हैं। उनके जिस काम की प्रशंसा की जाती है, उसे वह दोगुने उत्साह के साथ आगे बढ़कर पूरा करते हैं। कभी बच्चा अपनी चीज दोस्तों के साथ बांटे यानी अपने खिलौने या अन्य चीजों को शेयर करे, उसकी प्रशंसा जरूर करें। हो सके तो सबके सामने। घर के अन्य सदस्यों को भी उसकी तारीफ करने के लिए कहें। इससे खुश होकर आपका बच्चा खुद आगे बढ़कर अपने दोस्तों के साथ अपनी चीजें बांटने लगेगा।

पूर्वी अफगानिस्तान में नाव पलटने से 20 लोगों की मौत

काबुल । पूर्वी अफगानिस्तान में एक नदी पार करते हुए एक नाव पलटने से 20 लोगों की मौत हो गई। तालिबान के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। प्रांतीय निदेशक कुरैशी बदलोन ने कहा कि दारा जिले में एक नदी पार करते हुए नौका डूबने से महिलाओं और बच्चों सहित 20 लोगों की मौत हुई। बदलोन ने बताया कि नाव में 25 लोग सवार थे। ग्रामीणों के अनुसार, इसमें से पांच ही लोग जीवित बचे हैं। नंगरहार के स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि अभी तक एक पुरुष, एक महिला, दो लड़कों और एक लड़की सहित पांच शव बरामद किए गए हैं। एक चिकित्सा दल और एम्बुलेंस को इलाके में भेजा गया है। अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि हादसे किस वजह से हुआ। उन्होंने कहा कि बचावकर्मी अब भी अन्य शवों की तलाश कर रहे हैं।

जबालिया शिविर में करीब 70 फिलिस्तीनी नागरिकों के शव बरामद

गाजा । उत्तरी गाजा के जबालिया शरणार्थी शिविर में इजरायली सशस्त्र बलों की वापसी के बाद करीब 70 फिलिस्तीनी नागरिकों के शव बरामद हुए हैं। इजरायल ने लगभग तीन सप्ताह के हमले के बाद अपने सशस्त्र बलों को वापस बुला लिया है। चिकित्सा सूत्रों ने बताया कि एम्बुलेंस और नागरिक सुरक्षा दल ने शिविर से 20 बच्चों सहित लगभग 70 शवों को निकाला।

भारत ने किया इशारा...उधर श्रीलंका में आईएसआईएस का हैंडलर गिरफ्तार

कोलंबो । श्रीलंकाई पुलिस ने प्रतिबंधित इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) संगठन के साथ कथित संबंधों के कारण भारत में अहमदाबाद हवाई अड्डे से गिरफ्तार किए गए चार श्रीलंकाई नागरिकों के संदिग्ध आका (हैंडलर) को गिरफ्तार किया है। रिपोर्ट में बताया कि कोलंबो में आपराधिक जांच विभाग ने गेराई पुष्पराजा उस्मान को गिरफ्तार किया। श्रीलंकाई पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी में मददगार साबित होने वाली विश्वसनीय जानकारी देने वाले को 20 लाख रुपए नकद इनाम देने की घोषणा की थी। गुजरात के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने आईएसआईएस से संबंध रखने के आरोप में चार श्रीलंकाई नागरिकों को गिरफ्तार किया था। ये लोग 'इंडिगो' की उड़ान के द्वारा कोलंबो से 19 मई को चेन्नई पहुंचे थे। श्रीलंकाई सुरक्षा बलों को संदेह है कि 46 वर्षीय संदिग्ध उस्मान इन चार श्रीलंकाई नागरिकों का आका है। श्रीलंकाई प्राधिकारियों ने गुजरात में गिरफ्तार किए गए चार श्रीलंकाई नागरिकों के खिलाफ जांच के लिए पिछले महीने एक उच्च स्तरीय अभियान शुरू किया था।

मिशेल ओबामा की मां मारिया का निधन

वाशिंगटन । अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला मिशेल ओबामा की मां मारियां शील्ड्स रॉबिन्सन का निधन हुआ है। वह 86 वर्ष की थी। वे अपने दामाद बराक ओबामा के राष्ट्रपति चुने जाने पर उनके परिवार के साथ 'व्हाइट हाउस' में ही रही थीं। 'व्हाइट हाउस अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय है। मिशेल ओबामा और परिवार के अन्य सदस्यों ने रॉबिन्सन के निधन की जानकारी दी। रॉबिन्सन के पति का निधन पहले हो चुका है। रॉबिन्सन जीवनभर शिकागो में रही और 2009 में अपनी नातिन मालिया तथा साशा की देखभाल करने के लिए 'व्हाइट हाउस' आई थीं। उनका जन्म 30 जुलाई 1937 को शिकागो में हुआ था। उन्होंने 1960 में शादी की और अपने बच्चों की शिक्षा को काफी महत्व दिया।

तुर्किये के ड्रोन हमले में अमेरिका समर्थित चार लड़ाके मारे गए

अंकारा । उत्तरी सीरिया में तुर्किये के ड्रोन हमले में अमेरिका समर्थित चार लड़ाके मार गए, जबकि 11 नागरिक घायल हुए। कुर्द की अगुवाई वाले बल ने इसकी जानकारी दी। अमेरिका समर्थित एवं कुर्द की अगुवाई वाले 'सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेज (एसडीएफ) पर हमले से एक दिन पहले ही तुर्किये के राष्ट्रपति ने कहा था कि कुर्द की अगुवाई वाले समूह यदि स्थानीय चुनाव कराने की अपनी योजना पर आगे बढ़ते हैं तब उनकी सरकार उन पर कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगी। तुर्किये सरकार का आरोप है कि इन समूहों का तुर्किये में प्रतिबंधित कुर्द उग्रवादियों के साथ संबंध है। एसडीएफ ने कहा कि ड्रोन ने कामिशली और उसके आसपास उसके परिसरों तथा आम लोगों के मकानों एवं वाहनों पर आठ बार प्रहार किया। 'कुर्दिश रेड क्रीसेंट ने कहा कि जब उसके अर्ध चिकित्साकर्मी हमले वाले क्षेत्रों में पहुंचने की कोशिश कर रहे थे तब भी तुर्किये ने उसकी एक एंबुलेंस को निशाना बनाया। यह हमला कामिशली के पश्चिम अमौदा शहर के समीप हुआ। अभी तुर्किये की ओर से तत्काल कोई बयान नहीं आया है।

दिन-दहाड़े 3 मिनट में करोड़ों की लूट... नेवार्क में ज्वेलरी शॉप पर डकैती

-भारतीय मूल के अमेरिकी की दुकान

वॉशिंगटन । अमेरिका के नेवार्क में एक भारतीय मूल के अमेरिकी की ज्वेलरी शॉप पर डकैती हुई है। इस डकैती के बाद नेवार्क में पुलिस एक दर्जन से ज्यादा लुटेरों की तलाश कर रही है। नेवार्क के न्यूपार्क मॉल के सामने महंगे आभूषणों की दुकान में तोड़फोड़ हुई है। न्यूपार्क मॉल रोड पर स्थित भिंडी ज्वैलर्स की दुकान पर पहले यह डकैती देखी गई। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि लोगों के झुंड ने अंदर घुसकर सब कुछ तोड़ दिया। यह एक डरावनी और हिंसक घटना थी, इस घटना ने सभी को सदमे में डाल दिया। नेवार्क पुलिस प्रमुख जोली मैकियास ने कहा कि इस शोरूम में दो कांच के बंद दरवाजे हैं। उन्होंने कहा कि लुटेरों ने उन दरवाजों को तोड़ने के लिए हाथ वाले एक बड़े औजार का इस्तेमाल किया। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि लगभग 12 से 15 पुरुष और महिलाएं मास्क और दस्ताने पहनकर शोरूम के अंदर दाखिल हुए। शोरूम के अंदर जाते ही उन्होंने भारी मात्रा में आभूषणों को लूटना शुरू कर दिया। लोगों ने बताया कि लुटेरे चार अलग-अलग कारों में यात्रा कर रहे थे। वह सोने की अंगूठी, महंगी घड़ियां और हीरे के हार ले गए। शोरूम में इतने आभूषण थे कि वह लोग सही से लूट भी नहीं सके। भागने के दौरान वह इन्हें जमीन पर गिराते जा रहे थे। पुलिस कप्तान मैकियास ने कहा कि कंपनी अभी भी अपने कुल नुकसान को जोड़ रही है। कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक इनके चार स्टोर हैं। इमसें से तीन कैलिफोर्निया और एक जॉर्जिया में है। वेबसाइट पर दिख रही तस्वीरों के मुताबिक इसमें लाखों डॉलर की कीमत के आभूषण हैं। एक छोटा का टुकड़ा भी हजारों डॉलर का हो सकता है। इसलिए मुझे लगता है कि यह एक बड़ी रकम होगी। यह बेहद निराशा की बात है कि ऐसी घटना दिनदहाड़े हुई है। माना जा रहा है कि भारतीय मुद्रा में करोड़ों रुपयों का माल लुटेरे साथ ले गए। पुलिस ने कहा कि लुटेरे तीन मिनट से भी कम समय में लूट कर चले गए। डकैती में इस्तेमाल दो वाहनों को बरामद किया गया है, जो कि चोरी के हैं।

भारतीय पायलट अभिनंदन को छोड़ने डोनाल्ड ट्रंप ने इमरान खान को किया था फोन

पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फवाद चौधरी ने एक साक्षात्कार में किया खुलासा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फवाद चौधरी ने दावा किया कि भारतीय पायलट अभिनंदन की गिरफ्तारी के बाद अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के पीएम इमरान खान को फोन किया था। फोन पर ट्रंप ने अभिनंदन को रिहा करने और भारत वापस भेजकर तनाव को खत्म करने का आग्रह किया था। बता दें 2019 में भारतीय और पाकिस्तान वायु सेना ने डॉग फाइट में एक दूसरे के फाइटर जेट को गिरा दिया था। भारतीय पायलट अभिनंदन का विमान पाकिस्तानी क्षेत्र में क्रैश हो गया था, जिसके बाद पाकिस्तान ने अभिनंदन को हिरासत में ले लिया था। बाद में पाकिस्तान ने अभिनंदन को रिहा कर दिया था। इसे भारत की बड़ी कामयाबी माना गया था। चौधरी ने पाकिस्तान के टीवी चैनल से बातचीत करते हुए कहा कि अभिनंदन की गिरफ्तारी के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का फोन आया था और तनाव खत्म करने की गुजारिश की थी। चौधरी ने दावा किया कि ट्रंप ने इस संकट के लिए भारत को ही जिम्मेदार ठहराया था लेकिन साथ ही कहा कि इसे अब और बढ़ाने की जरूरत नहीं है।

ग्लासगो में इजरायल और स्कटलैंड की महिला टीमों के बीच यूरो कप फुटबॉल मैच से पहले लोग फिलिस्तीनी झंडे लहराकर विरोध जताते हुए।

बाइडेन ने कही युद्ध विराम की बात.... इजराइज रफाह के मध्य हिस्सों में हमला करने को तैयार

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने गाजा में युद्ध विराम के लिए इजरायल के तीन चरणों वाले प्रस्ताव को पेश किया, इसके बदले में इजरायली बंधकों को रिहा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि युद्ध को समाप्त करने का समय आ गया है और हमास से सकारात्मक प्रारंभिक प्रतिक्रिया मिली। बाइडन ने दावा किया कि हमास अब इजरायल पर बड़े पैमाने पर एक और हमला करने में सक्षम नहीं रह गया है। साथ ही उन्होंने इजरायल और हमास से आग्रह किया कि वे शेष

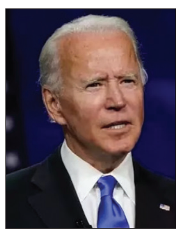

बंधकों को रिहाकर युद्ध-विराम समझौता करें। उधर इजरायली सेना ने पुष्टि की कि अब उसकी सेना राफह के मध्य हिस्सों में हमला करने को तैयार है। बाइडन ने कहा, हमास का कहना है कि वह भी युद्ध विराम चाहता है। इसके बाद यह समझौता यह साबित करने का एक अवसर है कि क्या वे वास्तव में ऐसा चाहते हैं। इस महीने की शुरुआत में हमास और इजरायल के बीच युद्ध-विराम समझौता होने से रुक गया था क्योंकि हमास ने यह मांग की थी कि युद्ध समाप्त होने के बाद इजरायली सेना गाजा से पूरी तरह हट जाएगी और इसके बदले में हमास उनके सभी बंधकों को रिहा कर देगा, लेकिन इजरायल ने हमास की इस मांग को अस्वीकार कर दिया था।

युद्ध तब तक खत्म नहीं होगा जब तक हमास का खात्मा नहीं हो जाता: नेतन्याहू

यरुशलम (एजेंसी)। हाल ही में अमेरिका ने बड़ा दावा करते हुए कहा था कि इजरायल ने शांति के लिए एक नया रोडमैप पेश किया है। इस रोडमैप पर कोई बात होती इससे पहले ही इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू का बड़ा बयान आ गया। उन्होंने साफ कहा कि गाजा युद्ध तब तक खत्म नहीं होगा जब तक कि हमास की शासन करने और युद्ध करने की क्षमता का खात्मा नहीं हो जाती। नेतन्याहू के कार्यालय का कहना है, पीएम नेतन्याहू ने वार्ता दल से बंधकों की वापसी के लिए एक रूपरेखा पेश करने का निर्देश दिया है।

साथ ही इस बात पर जोर दिया कि युद्ध तब तक समाप्त नहीं होगा जब तक सभी लक्ष्य प्राप्त नहीं कर लिए जाते, जिसमें हमारे सभी बंधकों की वापसी और हमास की सैन्य और सरकारी क्षमताओं का उन्मूलन शामिल है। उनका यह भी कहना है कि इस्राइल द्वारा पेश रूपरेखा इस्राइल को इन सिद्धांतों को बनाए रखने की अनुमति देता है।

आठ महीने से चल रहे संघर्ष के समाधान की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बाइडन ने कहा कि प्रस्ताव छह सप्ताह के चरण से शुरू हुआ है, जिसमें इस्राइली सेना गाजा के सभी आबादी वाले क्षेत्रों से हट जाएगी। उन्होंने कहा कि इस युद्ध के खत्म होने का समय आ गया है। उन्होंने आगे कहा कि शांति के मौके का फायदा उठाने के लिए हम इस पल को गंवा नहीं सकते। दुनिया के कई देश युद्ध में घिरे हुए हैं। जहां रूस-यूक्रेन जंग को दो साल से ज्यादा का वक्त हो चुका है। इधर, हमास और इस्राइल बीते सात महीने से लड़ाई लड़ रहे हैं। अब तक 30 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। युद्ध शुरू होने के बाद से फलस्तीन के 35,984 लोग मारे गए हैं और 80,643 अन्य घायल हुए हैं। फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया कि आईडीएफ ने गाजा पट्टी में आठ नरसंहार किए। इसमें आगे कहा गया है कि कई पीड़ित अभी भी मलबे के नीचे दबे हैं या सड़कों पर हैं। इसलिए एंबुलेंस और नागरिक सुरक्षा दल उन तक नहीं पहुंच सकते। उधर, जानकारी दी कि राफा में इस्राइली हमलों में कम से कम 20 फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो गई। एसोसिएटेड प्रेस के मुताबिक, फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि राफा पर इस्राइल के हवाई हमले में 22 लोग मारे गए हैं, जो शिविरों में रह रहे थे। सीएनएन के मुताबिक, मृतकों का यह आंकड़ा बढ़कर 35 हो गया है।

पाकिस्तान ने माना पीओके उसका हिस्सा नहीं है, वह विदेशी जमीन

-इस्लामाबाद हाईकोर्ट में एक सरकारी वकील ने किया दावा

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने माना था कि पाकिस्तान ने 1999 में भारत के साथ समझौता तोड़कर गलती की। अब पाकिस्तान ने माना है कि उसके कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) जिसे वह आजाद जम्मू कश्मीर कहता है वह एक विदेशी जमीन है। यह भारत के लिए अच्छी खबर है कि पाकिस्तान यह मान चुका है कि पीओके उसका हिस्सा नहीं है। पाकिस्तान के कई लोगों को इससे हैरानी हुई है। इस्लामाबाद हाईकोर्ट में एक सरकारी वकील ने दावा किया, जिसमें कहा गया कि पीओके एक विदेशी इलाका है। पीओके से कवि और पत्रकार अहमद फरहद शाह के कई दिनों से गायब होने को लेकर सुनवाई चल रही थी। बाद में पता चला कि वह पुलिस कस्टडी में ही हैं। कोर्ट में दिए गए बयान के शब्दों पर ध्यान देना चाहिए। पाकिस्तान ने यह नहीं कहा है कि पीओके या कश्मीर एक स्वतंत्र देश हैं। बल्कि उसने कहा है कि पीओके एक विदेशी क्षेत्र है। इसका मतलब वह यह मानता है कि कश्मीर स्वतंत्र नहीं बल्कि किसी और देश का हिस्सा है। परोक्ष रूप से ही सही, पाकिस्तान यह तो रहा है कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और उसने इसके एक इलाके पर जबरन कब्जा कर रखा है। पाकिस्तान में अब इसे लेकर लोगों में बौखलाहट साफ दिख रही है। पाकिस्तानी पत्रकार हामिद मीर हाईकोर्ट में सरकार के इस बयान को लेकर कई लोग भड़के गए। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि पाकिस्तान आजाद कश्मीर को बहुत नकारात्मक परिप्रेक्ष्य में पेश कर रहा है। उन्होंने इस्लामाबाद से एक कवि का अपहरण कर लिया। उनमें अपहरण को स्वीकार करने का नैतिक साहस नहीं है और अब उन्होंने आजाद कश्मीर में उसकी गिरफ्तारी दिखाई है और इस्लामाबाद हाईकोर्ट में आजाद कश्मीर को एक विदेशी क्षेत्र बताया है। इसका मतलब है कि उनके पास आजाद कश्मीर में कब्जा करने वाली सेना का अधिकार है, लेकिन पाकिस्तानी अदालतों का कोई क्षेत्राधिकार नहीं है।

चीन की बढ़ती जासूसी ने पश्चिमी देशों की बढ़ाई चिंता

लंदन (एजेंसी)। चीन की जासूसी के बढ़ते खतरे पर पश्चिम के देशों ने चिंता जताई है। कई सालों से पश्चिमी जासूसी एजेंसियां चीन पर ध्यान केंद्रित करने की जरुरत पर जोर दे रही हैं। इस सप्ताह ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी के चीफ ने इसे एक गंभीर चुनौती बताया है। ब्रिटेन की ओर से ये ऐसे समय कहा गया है, जब चीन के लिए जासूसी और हैकिंग के आरोप में पश्चिम के कई देशों में गिरफ्तारियां हुई हैं। हांगकांग की खुफिया सेवाओं की मदद का आरोप लगने के बाद ब्रिटेन के विदेश कार्यालय ने चीन के राजदूत को तलब किया था। ये पश्चिम और चीन के बीच प्रतिस्पर्धा के खुलकर सामने आने का संकेत हैं।

एक रिपोर्ट में बताया गया है कि वरिष्ठ अधिकारियों को चिंता है कि अमेरिका और पश्चिम के उसके सहयोगियों ने काफी समय तक चीन की चुनौती को बहुत गंभीरता से नहीं लिया लेकिन अब ये चीन की जासूसी के प्रति अधिक संवेदनशील हैं। पश्चिमी अधिकारियों की चिंता चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के दृढ़ संकल्प को लेकर है कि बीजिंग एक नई अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को आकार देगा।

चीनी खुफिया एजेंसी 2000 के दशक में ही औद्योगिक जासूसी में लगी हुई थी लेकिन पश्चिमी कंपनियां आम तौर पर चुप रहती थीं। वे इस डर से इसकी रिपोर्ट नहीं करना चाहते थे कि ऐसा करने से चीन के बाजारों में उनकी स्थिति खतरे में आ जाएगी। एक और बड़ी चुनौती यह रही है कि चीन पश्चिम से अलग ढंग से जासूसी करता है। इससे इसकी गतिविधि को पहचानना और सामना करना मुश्किल है।

अधिकारियों का कहना है कि पश्चिम भी चीन की जासूसी कर रहा है लेकिन चीनी खुफिया जानकारी इकट्ठा करना एमआई6 और सीआईए जैसी पश्चिमी खुफिया सेवाओं के लिए चुनौतीपूर्ण है। इसकी बड़ी वजह है कि चीन पश्चिमी तकनीक के बजाय खुद की तकनीक का इस्तेमाल करता है। एमआई6 के प्रमुख सर रिचर्ड मूर कहते हैं कि हम जिस प्रतिस्पर्धी से भरी दुनिया में रह रहे हैं, उसमें हमें हमेशा संघर्ष के बारे में चिंता करनी चाहिए और हमें इससे बचने के लिए अपने आप को तैयार करना चाहिए।

गांधी जी की पार्टी नेटाल इंडियन कांग्रेस पूर्ण बहुमत से चूकी

-30 साल की बादशाहत बरकरार रहने में अंदेशा

केप्टाउन (एजेंसी)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने साउथ अफ्रीका में जिस पार्टी की नींव रखी थी वो आज वहां उसे आम चुनावों में पूर्ण बहुमत प्राप्त होता नजर नहीं आया है। गौरतलब है कि साल 1894 में गांधी जी ने साउथ अफ्रीका में नेटाल इंडियन कांग्रेस की स्थापना की थी। बाद में यही पार्टी अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस के रूप में जानी गई। करीब 30 साल तक साउथ अफ्रीका की सत्ता पर काबिज रहने के बाद अब अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस पार्टी अपने बर्चस्व को बचाने में कामयाब होती नहीं दिख रही है।

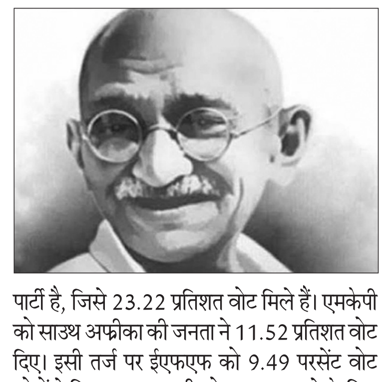

यहां बतलाते चलें कि साउथ अफ्रीका में किसी भी पार्टी को सरकार बनाने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत वोट की दरकार होती है। एएनसी को इस बार महज 41.88 प्रतिशत वोट ही मिले हैं। मतलब साफ है कि वो सरकार बनाने से 8.12 प्रतिशत वोट से चूक गए हैं। अब अपने दम पर साउथ अफ्रीका की कांग्रेस पार्टी सरकार नहीं बना सकती है। दूसरे स्थान पर डीए पार्टी है, जिसे 23.22 प्रतिशत वोट मिले हैं। एमकेपी को साउथ अफ्रीका की जनता ने 11.52 प्रतिशत वोट दिए। इसी तर्ज पर ईएफएफ को 9.49 परसेंट वोट लोगों ने दिए। अब एएनसी को सरकार बनाने के लिए किसी अन्य दल के समर्थन की जरूरत होगी।

गांधी जी ने लंदन से वकालत की थी। उस समय सेठ अब्दुल्ला ने अपना केस लड़ने के लिए गांधी जी को साउथ अफ्रीका बुलाया था। उन्हें ट्रेन के फर्स्ट क्लास से बाहर निकाल दिया गया था। अफ्रीका में उन्होंने भारतीयों की तकलीफ को समझा। साल 1894 में उन्होंने साउथ अफ्रीका में भारतीयों को वोटिंग राइट दिलाने के लिए नेटाल इंडियन कांग्रेस बनाई थी। इस मुहीम के माध्यम से वो भारतीयों को साउथ अफ्रीका में एकजुट करने में सफल रहे थे। नेटाल इंडियन कांग्रेस से प्रेरित होकर आगे चलकर 8 जनवरी 1912 को साउथ अफ्रीका नेशनल कांग्रेस की स्थापना हुई, जिसका मकसद साउथ अफ्रीका के काले लोगों को बराबरी का अधिकार दिलाना था। साल 1948 से 1990 तक इस पार्टी ने देश में रंग के आधार पर भेदभाव के खिलाफ जमकर आवाज उठाई। इस दौरान पार्टी पर कई बार प्रतिबंद भी लगा।

रंग-भेद खत्म होने के बाद 90 के दशक में नई सरकार का गठन हुआ। नेलसन मंडेला काले लोगों के साथ हो रहे भेदभाव के जनक थे। साउथ अफ्रीका की आज की कांग्रेस पार्टी के पहले राष्ट्रपति मंडेला ही बने। तभी से यह पार्टी देश में सत्ता में है। मालूम हो कि अपने करियर के शुरुआती 20 साल साउथ अफ्रीका में बिताए थे, जहां उन्होंने भारतीयों के खिलाफ हो रहे भेदभाव को लेकर आवाज उठाई और अंग्रेजों की नाक में दम कर दिया था। इस दौरान वो चार बार जेल भी गए।

Jinnah के मुल्क में VIP भी सुरक्षित नहीं, इस्लामाबाद से वियतनामी राजदूत की पत्नी लापता

पाकिस्तान में वियतनामी राजदूत गुयेन टीएन फोंग की पत्नी कथित तौर पर इस्लामाबाद में लापता हो गई हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि राजदूत ने बताया कि उनकी पत्नी सुबह 11 बजे उनके आवास से निकलीं और वापस नहीं लौटीं। वहीं, उनका मोबाइल फोन भी बंद आ रहा है, लिहाजा उनसे कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह पता लगाने के लिए जांच जारी है कि क्या गुमशुदगी का घटना से कोई संबंध है। इस्लामाबाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और लापता महिला की गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए शहर के कैमरों से सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। अधिकारियों ने उल्लेख किया कि जांच और परिचालन प्रभागों के लिए अलग-अलग टीमें स्थापित की गई हैं, जिनमें डीआइजी और एसएसपी ऑपरेशंस प्रयासों की निगरानी कर रहे हैं। पिछले हफ्ते, इस्लामाबाद के राजनयिक एन्क्लेव में एक दुखद घटना घटी जब स्त्र-6 सुपरमार्केट में पुलिस अधिकारियों के भेष में कपड़े पहने धोखेबाजों ने एक विदेशी नागरिक महिला को लूट लिया। सूत्रों की रिपोर्ट है कि दो लोगों ने खुद को पुलिस अधिकारी बताकर महिला को चेक के लिए रोका और अन्य कीमती सामान के साथ 500 जब्त कर लिया। सूत्रों ने संकेत दिया कि जब नकली पुलिस अधिकारियों ने विदेशी नागरिक महिला को रोका तो वे वर्दी में नहीं थे। एक अलग घटना में इस्लामाबाद के जी-6/4 इलाके में एक विदेशी महिला की सुरक्षा के लिए नियुक्त सुरक्षा गार्ड द्वारा कथित तौर पर उसके साथ बलात्कार किया गया।

असली फैसला 5 नवंबर को लोगों द्वारा सुनाया जाएगा: ट्रम्प

-'फेलोनी' आरोपों का दाग अपने माथे पर लेकर लोगों के बीच जाएंगे पूर्व राष्ट्रपति

न्यूयॉर्क, (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक सेक्स स्कैंडल को छिपाने के लिए अपने बिजनेस रिकॉर्ड में हेराफेरी की थी। ये सेक्स स्कैंडल सामने आ जाता तो 2016 में ट्रम्प के लिए राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतना मुश्किल हो जाता। यह केस आम नहीं था, जिसने अमेरिकी जूडिशियल सिस्टम के लचीलेपन की जांच की और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपराधी घोषित किया। जूरी ने ट्रम्प को उन पर लगाए गए सभी 34 'फेलोनी' आरोपों में दोषी माना। यह फैसला पूरे देश और दुनिया में गूंजेगा। यह राष्ट्रपति पद की राजनीति के एक नए युग की शुरुआत है।

ट्रम्प अब राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए अपने तीसरे अभियान में 'फेलोनी' आरोपों का दाग अपने माथे पर लेकर लोगों के बीच जाएंगे। अमेरिकी मतदाताओं को अब एक मौजूदा राष्ट्रपति और एक जघन्य अपराध के लिए दोषी करार दिए गए शख्स में किसी एक को चुनना होगा। डोनाल्ड ट्रम्प ने 2020 के राष्ट्रपित चुनाव में अपनी हार को मानने से इनकार कर दिया था।

विगत दिवस जब डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ फैसला आया तो उन्होंने फैसले पर कोई बात नहीं कही बस अपनी आंखें बंद कर लीं और धीरे-धीरे अपना सिर हिलाते रहे। इस दौरान कोर्ट रुम में सन्नाटा छा हुआ था, लेकिन जब ट्रम्प कोर्ट से बाहर आए तो उन्होंने पत्रकारों से बात की। उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव के दिन का जिक्र करते हुए कहा कि असली फैसला 5 नवंबर को लोगों द्वारा सुनाया जाएगा।

अमेरिकी कानून में फेलोनी को आम तौर पर एक ऐसे अपराध के रूप में जाना जाता है, जिसके लिए कम से कम एक साल की जेल या मौत की सजा हो सकती है। इसके विपरीत, दुष्कर्म को अक्सर ऐसे अपराधों के रूप में परिभाषित किया जाता है, जिनके लिए केवल जुर्माना या स्थानीय जेलों में कारावास की छोटी सजा दी जाती है। मूलरूप से अंग्रेजी कानून में फेलोनी एक ऐसा अपराध था जिसके लिए अपराधी की अचल और निजी संपत्ति जब्त करने के साथ जो भी सजा दी जाती थी, उसे भुगतना होता था। अमेरिकी कानून के तहत अपराधी की सारी संपत्ति जब्त नहीं की जाती है। रैकेटियरिंग वाले अपराधों में संपत्ति जब्ती की जाती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सिंगापुर में क्रूज़ पर आयोजित होगा दुनिया का पहला अंतर्राष्ट्रीय बी टू बी वेडिंग समिट

- दुनिया भर में मशहूर राजस्थान के नाम पर रखा गया है समिट का नाम क्रूज़ेस्तान -2024

नई दिल्ली। (एजेंसी)

इस वर्ष 17 से 20 सितंबर को सिंगापुर के एक विशालकाय क्रूज़ पर आयोजित होने वाले दुनिया के पहले अंतर्राष्ट्रीय बी टू बी वेडिंग समिट के साथ ही डेस्टिनेशन मैरिज वेडिंग ऑन क्रूज के क्षेत्र में एक नया इतिहास रचा जाएगा। इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ़ इवेंट इंडस्ट्री (आईसीईआई) द्वारा ब्लैक रॉक होटल और रिसॉर्ट के सहयोग से आयोजित किए जा रहे इस अभिनव महोत्सव का नाम राजस्थान की तर्ज पर क्रूज़ेस्तान- 2024 रखा गया है। डेस्टिनेशन मैरिज के मामले में राजस्थान का नाम दुनिया भर में मशहूर है।

यह जानकारी नई दिल्ली में क्रूज़ेस्तान-2024 की प्री-इवेंट प्रेस वार्ता में आईसीईआई आयोजकों में से एक जयपुर के गुंजन सिंघल ने दी। कॉन्फ्रेंस में रिसॉर्ट्स वर्ल्ड क्रूज के अध्यक्ष माइकल गोह, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट इंटरटेटमेंट कोलिन केर रिसॉर्ट्स वर्ल्ड क्रूज के बिक्री और विपणन उपाध्यक्ष नरेश रावल,वेडिंग वोव (चेन्नई) के संस्थापक और सीईओ दक्षिणा नायडू मूर्ति,फोर्ट राजवाड़ा जैसलमेर के ओनर विनय खोसला,वेडिंग अफेयर्स पत्रिका के फाउंडर रजनीश राठी और आईसीईआई प्रवक्ता अश्विनी शर्मा मौजूद थे।

गुंजन सिंघल ने बताया गया कि फोर्ट राजवाड़ा जैसलमेर (राजस्थान) और वेडिंग वोव (चेन्नई) के सहयोग से आगामी 17 से 20 सितंबर, 2024 तक सिंगापुर में एक शानदार क्रूज़ पर ब्लैक रॉक होटल और रिसॉर्ट की प्रस्तुति चार दिवसीय ग्राउंड ब्रेकिंग वेडिंग प्लानिंग कॉन्फ्रेंस होने जा रही है। इसमें भारत और दुनिया भर के 300 से ज़्यादा प्रतिष्ठित वेडिंग प्लानर एक साथ भाग लेंगे। इस तरह की अनूठी कॉन्फ्रेंस विश्व में पहली बार आयोजित की जा रही है और इसका नाम विश्व कीर्तिमान में जुड़ने की भी संभावना है। सिंघल ने बताया कि समिट में भाग लेने वाले मैरिज प्लानर्स का दल समुद्र के रास्ते यात्रा करते हुए जीवंत शहर फुकेत का दौरा करेगा और वहां से समुद्री मार्ग से ही वापस सिंगापुर आएगा। यह समिट अनूठी शादियों के क्षेत्र में नवाचार और सहयोग की एक प्रेरक पृष्ठभूमि प्रदान करेगी।

इस अवसर पर सिंगापुर से विशेष रूप से भारत आए रिसॉर्ट्स वर्ल्ड क्रूज के अध्यक्ष माइकल गोह ने क्रूज उद्योग और शादी की योजना बनाने वाले योजनाकारों के बारे में बात करते हुए कहा कि क्रूज़ अब सिर्फ़ छुट्टियां मनाने के लिए नहीं रह गए हैं। अब वे शादियों,सम्मेलनों और कॉर्पोरेट रिट्रीट सहित भव्य आयोजनों की मेज़बानी करने में सक्षम और बहुमुखी उद्देश्य वाले स्थल भी बन रहे हैं। उन्होंने बताया कि क्रूज़ेस्तान- 2024 का उद्देश्य भविष्य की शादियों और सम्मेलनों के लिए एक शानदार स्थल के रूप में क्रूज की अपार संभावनाओं को प्रदर्शित करना भी है। उन्होंने कहा कि कल्पना करें कि आप खुले समुद्र में आश्चर्यजनक दृश्यों की पृष्ठभूमि में भ्रमण पर जा रहे हैं अथवा दुनिया के कुछ सबसे खूबसूरत स्थानों से गुज़रते हुए किसी सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। क्रूज पर विलासिता, सुविधा और रोमांच का यह बेजोड़ मिलन और एकीकरण यादगार आयोजनों के लिए एक अदभुत एवं बेजोड़ सेट प्रदान करता है।

रिसॉर्ट्स वर्ल्ड क्रूज के बिक्री और विपणन उपाध्यक्ष नरेश रावल ने कहा, हम 2024 के लिए आईसीईआई के साथ साझेदारी करके सम्मानित महसूस कर रहे हैं। यह कार्यक्रम बड़े पैमाने पर, हाई-प्रोफाइल आयोजनों के लिए एक आदर्श स्थल के रूप में क्रूज जहाजों की असाधारण क्षमताओं को भी प्रदर्शित करेगा। हम सभी अतिथियों के लिए एक यादगार अनुभव सुनिश्चित करने के लिए अपनी विश्व स्तरीय सुविधाएँ और सेवाएँ प्रदान करने के लिए उत्साहित हैं।

भगोड़े ललित मोदी के परिवार में विरासत को लेकर मचा घमासान

-भाई समीर मोदी ने हमले की साजिश करने का मां पर लगाया आरोप

मुंबई/नई दिल्ली। (एजेंसी)

देश के मशहूर दिवंगत उद्योगपति केके मोदी के परिवार में विरासत को युद्ध छिड़ हुआ है। केके मोदी के छोटे बेटे और गॉडफ्रे फिलिप्स के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर समीर मोदी ने अपनी ही मां बीना मोदी पर उन पर हमला कराने का आरोप लगाया है। केके मोदी की विरासत में लिस्टेड कंपनी गॉडफ्रे फिलिप्स में परिवार की करीब 50फीसदी हिस्सेदारी शामिल है। मौजूदा बाजार मूल्य पर इसकी कीमत 5,500 करोड़ रुपये से ज्यादा है। साथ ही मोदी परिवार की कई अन्य कंपनियों में भी परिवार के शेयर हैं। समीर ने शुक्रवार को दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है जिसमें उन्होंने अपनी मां, उनके निजी सुरक्षा अधिकारी और गॉडफ्रे फिलिप्स के डायरेक्टर्स पर उन्हें गंभीर चोट पहुंचाने के आरोप लगाए हैं। बीना मोदी भी गॉडफ्रे फिलिप्स की डायरेक्टर हैं। सिगरेट और कन्फेक्शनरी बनाने वाली कंपनी गॉडफ्रे फिलिप्स के बोर्ड मेंबर होने के अलावा समीर मोदी कलरबार कॉस्मेटिक्स, 24/7 रिटेल और डायरेक्ट सेलिंग प्लेटफॉर्म मोदीकेयर के भी मालिक हैं। समीर मोदी ने बताया कि यह घटना गुरुवार को हुई जब वह दिल्ली के जसोला में जीपी बोर्ड की बैठक् में जा रहे थे तो उन्हें बीना मोदी के पीएसओ ने बैठक में जाने से रोक दिया। जब उन्होंने अंदर जाने पर जोर दिया तो उसने धक्का देने की कोशिश की और कहा कि उन्हें बैठक में जाने की इजाजत नहीं है। गॉडफ्रे फिलिप्स के प्रवक्ता ने समीर के आरोप को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि ये आरोप बेबुनियाद और निंदनीय हैं। कथित घटना बोर्ड रूम के बाहर हुई जब दोपहर करीब 12 बजे ऑडिट कमेटी की बैठक चल रही थी। यह घटना इन-हाउस सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है, जिसे संबंधित जांच अधिकारियों को दिखाई जा सकती है। समीर मोदी के मुताबिक यह सब तब हुआ जब उनकी मां बीना मोदी ने कंपनी में उनकी हिस्सेदारी खरीदने की पेशकश की थी। उनका कहना है कि इस घटना के बाद अब उनकी कंपनी में अपनी हिस्सेदारी बेचने की कोई मंशा नहीं है। समीर ने शुक्रवार को दिल्ली में अपने घर पर कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरे ही ऑफिस में मुझ पर हमला किया जाएगा।

देश के प्रधानमंत्री पद के लिए राहुल गांधी मेरी पहली पसंदः खड़गे

-प्रियंका के इनकार करने के बाद रायबरेली से राहुल को लड़ाया चुनाव

नई दिल्ली। (एजेंसी)

लोकसभा चुनाव का महाकुंभ अब अंतिम चरण में है। सभी राजनीतिक दल अपने अपने अनुमान ओर गणना करने में जुटे गए हैं। चुनाव की हलचल के बीच कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का एक बयान सामने आया है। जो उन्होंने एक साक्षात्कार में दिया है। साक्षात्कार में खड़गे ने कहा कि इस लोकसभा चुनाव परिणाम आने के बाद अगर इंडिया गठबंधन सरकार बनाती है तो देश के प्रधानमंत्री पद के लिए राहुल गांधी उनकी पहली पसंद होंगे। खड़गे ने यह भी खुलासा किया कि उन्होंने प्रियंका गांधी को चुनाव लड़ने पर जोर दिया था, लेकिन प्रियंका ने इनकार कर दिया था। यही वजह थी कि रायबरेली से राहुल गांधी को चुनाव मैदान में उतारा पड़ा और प्रियंका गांधी ने अपने भाई के चुनाव की कमान संभाली। रायबरेली कांग्रेस और गांधी परिवार का गढ़ माना जाता है। यहां से सोनिया गांधी पांच बार सांसद चुनी गई हैं, लेकिन स्वास्थ्य संबंधी कारणों से उन्होंने इस बार चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया था और राजस्थान से राज्यसभा पहुंची हैं। खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री पद के लिए राहुल गांधी मेरी पसंद हैंज्वह युवाओं और पूरे देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। हालांकि, पिछले महीने उन्होंने जोर देकर कहा था कि इंडिया ब्लॉक ने फैसला लिया है कि हम एक साथ लड़ रहे हैं। जीतने के बाद गठबंधन संयुक्त रूप से फैसला करेगा कि प्रधानमंत्री किसको बनाना है।

प्रियंका गांधी वाड्रा के चुनाव लड़ने को लेकर खड़गे ने कहा कि मैं चाहता था कि प्रियंका चुनाव लड़ें, लेकिन राहुल गांधी को अपने अभियान प्रबंधक के रूप में किसी की जरूरत थी, क्योंकि वह भी पूरे देश में प्रचार कर रहे थे। कांग्रेस अध्यक्ष ने पिछले महीने दोनों से चुनाव लड़ने का आग्रह किया था, लेकिन कहा था कि वह इस बात का निर्णय भाई-बहन पर ही छोड़ेंगे।

एग्जिट पोल से जुड़ी बहस में हिस्सा नहीं लेगी कांग्रेस

शाह बोले- कांग्रेस चुनाव हार रही है किस मुंह से मीडिया का सामना करें?

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के आखिरी चरण के मतदान के बाद शनिवार शाम को एग्जिट पोल के नतीजे आने लगेंगे जिनको लेकर कांग्रेस ने घोषणा की है कि पार्टी एग्जिट पोल से जुड़ी बहस में हिस्सा नहीं लेगी। कांग्रेस के इस कदम पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया कि वह चुनाव हार रही है, इसलिए एग्जिट पोल का बहिष्कार कर रही है। कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा के मुताबिक पार्टी ने चार जून को वास्तविक परिणाम आने से पहले अटकलों और बहस में शामिल नहीं होने का फैसला लिया है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मतदाताओं ने वोट डाल दिया है और उनका फैसला सुरक्षित है। परिणाम चार जून को आएंगे। उससे पहले हमें टीआरपी के लिए अटकलों और बहस में शामिल होने का कोई कारण नहीं है। इसलिए कांग्रेस एग्जिट पोल बहस में भाग नहीं लेगी। हम चार जून से बहस में खुशी-खुशी हिस्सा लेंगे। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर तंज कसा है और दावा किया कि वह लोकसभा का चुनाव हार रही है, इसलिए एग्जिट पोल में हिस्सा नहीं ले रही है। संवैधानिक संस्थाओं का अपमान करना कांग्रेस की आदत है और जब से राहुल गांधी कांग्रेस की मुख्य व्यवस्था में आए हैं, तब से कांग्रेस डिनायल मोड में जी रही है। कांग्रेस ने पूरे चुनाव में एक कैंपेन किया कि इनका बहुमत आने जा रहा है, लेकिन अब उनको भी स्थिति मालूम है कि चुनाव के बाद आने वाले एग्ज़िट पोल में इनकी प्रचंड हार होने वाली है, वह किस मुंह से मीडिया का सामना करें? इसलिए कांग्रेस एग्ज़िट पोल को यह कह कर नकार रही है कि इसका कोई मतलब नहीं है।

नर्सिंग कॉलेजों की जांच हाईकोर्ट के जज आरके श्रीवास्तव की अध्यक्षता में

जबलपुर । (एजेंसी)

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने नर्सिंग कॉलेज फर्जीवाड़े की जांच का दायरा बढ़ा दिया है। अब 2020-21 से संचालित होने वाले सभी नर्सिंग कॉलेज की जांच की जाएगी। हाईकोर्ट के नए आदेश से 559 नर्सिंग कॉलेज की जांच की जाएगी।

हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जज करेंगे जांच

हाईकोर्ट के आदेश पर न्यायिक मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में कॉलेज की वीडियोग्राफी कराई जाएगी। हाईकोर्ट ने इसके लिए सेवा निवृत हाईकोर्ट के जज आरके श्रीवास्तव की अध्यक्षता में तीन सदस्यों की कमेटी बना दी है। यह टीम कॉलेज में सुधार की व्यवस्था और फर्जीवाड़े से जुड़े हुए मामलों पर भी अपनी रिपोर्ट देगी। नर्सिंग कॉलेज और उससे संबंद्ध अस्पतालों की जांच भी यह कमेटी करेगी।

15 दिन के अंदर प्रशासक की नियुक्ति करे सरकार

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने नर्सिंग रजिस्ट्रार के पद पर 15 दिन के अंदर नियुक्ति करने का आदेश सरकार को दिया है। हाईकोर्ट ने कहा है,अपेक्षित योग्यता का परीक्षण कर सरकार 15 दिन के अंदर नर्सिंग रजिस्टार प्रशासक की नियुक्ति करे।

परीक्षा के बाद होगा नामांकन पर विचार

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने नर्सिंग कॉलेज में विद्यार्थियों के नामांकन मामले में कहा है, वर्ष 2020-21 से नर्सिंग के छात्रों की परीक्षाएं नहीं हुई हैं। पहले परीक्षा हो जाए, उसके बाद छात्रों के नामांकन पर विचार किया जाएगा।

सीबीआई और कोर्ट के मार्गदर्शन पर कार्यवाही करेगी सरकार

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कांग्रेस द्वारा जो आरोप लगाया गया था। उस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, मामला हाईकोर्ट के संज्ञान में है। सीबीआई भी इस मामले की जांच कर रही है। ऐसी स्थिति में हाईकोर्ट और सीबीआई के जो भी दिशा निर्देश होंगे। उसके अनुसार शासन सख्ती से कार्रवाई करेगा। इसमें किसी तरह का पक्षपात नहीं होगा।

पीएम मोदी की साधना का असर...मौसम हुआ खुशनुमा : रवि किशन

गोरखपुर । (एजेंसी)

एक जून को महीना बदलने के साथ ही उत्तर प्रदेश में मौसम थोड़ा खुशनुमा हुआ। बीते कई दिनों से भीषण गर्मी झेल रहे यूपीवासियों को थोड़ी राहत महसूस हुई। हालांकि गोरखपुर से सांसद और भोजपुरी अभिनेता रवि किशन के अनुसार मौसम के बदलाव की वजह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। सांसद रविकिशन ने कहा है कि कन्याकुमारी में पीएम के साधना करने की वजह से ही मौसम खुशनुमा हो गया है। रविकिशन ने कहा, प्रधानमंत्री जी जैसे ही साधना में लीन हुए, वैसे ही मौसम में बदलाव दिखाने लगा। वे जैसे ही लीन होते हैं पूरा मौसम बदल जाता है। प्रधानमंत्री की साधना से ही मौसम बेहतरीन हुआ है। वे जब साधना करते हैं, तब उनके साथ पूरी शक्तियां लग जाती हैं। उनकी साधना देखकर पूजा-पाठ में सब लोग लीन हो गए। मोदी जी राह दिखा रहे हैं और पूरा देश उसी रास्ते पर चल रहा है। गोरखपुर में वोटिंग प्रक्रिया के दौरान पत्रकारों के सवाल का जवाब देकर रवि किशन ने कहा कि एक प्रतिशत भी कोई डाउट नहीं रखना चाहिए। इस बार माताओं-बहनों का, वृद्धों का और युवाओं का पूरा साथ पीएम मोदी और भाजपा के साथ जुड़ा हुआ है। गौरतलब है कि पीएम मोदी की 45 घंटे की ध्यान साधना कर रहे हैं। दक्षिण भारत के सुदूर कन्याकुमारी के विवेकानंद रॉक मेमोरियल में पीएम मोदी के लिए

यह बेहद एकांत के पल हैं। उन्होंने शनिवार की सुबह भगवान सूर्य को जल चढ़ाया और फिर पूजा करके साधना में लीन हो गए। गेरुए वस्त्र पहने पीएम मोदी का किसी संन्यासी की तरह हिन्द महासागर, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी की लहरों के बीच एकांतवास जारी है। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कन्याकुमारी पहुंचकर सबसे पहले मां भगवती अम्मन मंदिर में दर्शन किए। माना जाता है कि यह मंदिर करीब 3 हजार साल पुराना है।

संक्षिप्त समाचार

चेन्नई में दुकान से बेचा जा रहा मां का दूध.....कार्रवाई के बाद दुकान सील

चेन्नई। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई के माधवरम में खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने मां के दूध की बिक्री करने के आरोप में प्रोटीन पाउडर की दुकान को सील किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक दुकान के मालिक ने प्रोटीन पाउडर बेचने का लाइसेंस लिया था, लेकिन वहां कथित तौर पर मां का दूध बेच रहा था। दुकान से 500 रुपये में 50 मिलीलीटर मां के दूध वाली बोतल बेची जा रही थी। छापेमारी के दौरान दुकान से मां के दूध से भरी करीब 50 बोतलें जब्त की गईं। पिछले सप्ताह केंद्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकरण को शिकायत मिली थी कि माधवरम में मां का दूध बेचने के लिए स्टॉक किया गया है। अधिकारी ने कहा, हमें बोतलों में बंद मां का दूध मिला। नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। छापेमारी के दौरान अधिकारियों को मां के दूध का दान करने वाले लोगों के मोबाइल फोन नंबर मिले। यह पहला मौका है, जब चेन्नई में मां का दूध बेचा जा रहा है और यह घटना कर्नाटक में मां के दूध की बिक्री पर लगे प्रतिबंध के तुरंत बाद हुई है। देश के खाद्य नियामक भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने 24 मई को जारी एक परामर्श में मां के दूध के अनधिकृत व्यावसायीकरण के खिलाफ चेतावनी दी थी।

पोर्श कांड में मॉ भी गिरफ्तार

-नाबालिग को बचाने के चक्कर में बाप-दादा पहले से हैं गिरफ्तार

पुणे। पुणे पोर्श कार हादसे में नया मोड़ सामने आया है। पुणे पुलिस ने पोर्श कार दुर्घटना मामले में किशोर की मां को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में नाबालिग की मां सहित अब तक 11 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। वहीं इस हादसे में आरोपी के दादा और पिता को भी 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। कहा जा रहा है, उन्होंने ड्राइवर पर हादसे की जिम्मेदारी खुद पर लेने का दबाव बनाया था। यह भी पुष्टि हो गई है कि किशोर के ब्लड सैंपल उसकी मां के सैंपल से बदल दिए गए थे। शहर के पुलिस प्रमुख ने इस बात की जानकारी दी है। पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने कहा कि दुर्घटना की जांच से पता चला है कि किशोर के रक्त के नमूनों को उसकी मां के रक्त के नमूनों से बदल दिया गया था। जानकारी के लिए बता दें कि पुलिस ने दो दिन पहले एक स्थानीय अदालत को बताया था कि किशोर के रक्त के नमूनों का एक महिला के रक्त के साथ आदान-प्रदान किया गया था। बता दें कि 19 मई की सुबह पुणे के कल्याणी नगर में ये घटना घटी थी। पोर्श कार ने तब बाइक सवार दो आईटी इंजीनियरों को टक्कर मार दी थी। जिसके बाद इस हादसे में दोनों इंजीनियरों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कार चलाने वाला 17 साल का नाबालिग कथित तौर पर नशे में धुत था। वहीं रिटायर्ड आईएएस अधिकारी अरुण भाटिया ने पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार के तबादले की मांग की। इसके लिए उन्होंने एमएचआरसी (महाराष्ट्र मानवाधिकार आयोग) को पत्र भी लिखा है। पुलिस आयुक्त पर अपराध और उनके भ्रष्ट अधिकारियों को बचाने का आरोप लगा है।

भाजपा का खड़गे पर तंज, राहुल को पीएम बनने पर ममता या केजरीवाल से पूछा?

नई दिल्ली । कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे के राहुल गांधी मेरी पसंद के प्रधानमंत्री वाले बयान भाजपा ने तंज कस दिया है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि खड़गे की पसंद जो भी हो (इंडिया अलायंस के पीएम चेहरे के लिए), सवाल यह है कि क्या वे जनता की पसंद है? उन्होंने कहा कि जनता कांग्रेस या इंडिया गठबंधन किसी को भी सत्ता में आने का मौका नहीं दे रही है। पूनावाला ने कहा कि जब कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने अपनी पसंद बताई, तब क्या उन्होंने ममता बनर्जी या अरविंद केजरीवाल से पूछा?भाजपा प्रवक्ता पूनावाला ने कहा कि आखिरी चरण में इंडिया गठबंधन अपनी आखिरी सांसें गिन रहा है। शनिवार की बैठक में ममता बनर्जी शामिल नहीं होंगी। जो लोग दिल्ली में दोस्ती निभा रहे थे, वे पंजाब में दुश्मन बन रहे हैं। दरअसल खड़गे ने कहा कि अगर इंडिया ब्लॉक गठबंधन लोकसभा चुनाव जीतता है, तब अगले प्रधानमंत्री बनने के लिए राहुल गांधी उनकी पसंद हैं। उन्होंने कहा कि वह युवाओं और पूरे देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। हालांकि, कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि इंडिया ब्लॉक ने फैसला किया है कि वे एक साथ लड़ रहे हैं, और जीतने के बाद, गठबंधन संयुक्त रूप से तय करेगा कि पीएम कौन होगा। उन्होंने इस बात को भी खारिज कर दिया कि वह भी पीएम पद के उम्मीदवार हो सकते हैं।

तंबाकू लोगों के स्वास्थ्य के लिए बन रहा गंभीर संकट

- शिक्षा एवं स्वास्थ्य मंत्रालय ने जारी की गाइडलाइन

नई दिल्ली। (एजेंसी)

तंबाकू खाना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है इसके बाद भी कई लोग इसकी लत लगा लेते हैं और अपनी जान जोखिम में डाल देते हैं कई की तो जान भी चली जाती है। इसी के मद्देनजर विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने गाइडलाइंस जारी की है। शिक्षा मंत्रालय ने देश के सभी शिक्षा संस्थानों को तंबाकू मुक्त बनाने का लक्ष्य दिया है, वहीं स्वास्थ्य मंत्रालय ने लोगों को तंबाकू की लत छुड़वाने के लिए देश के मेडिकल संस्थानों में विशेष सेंटर्स बनाने के लिए ऑपरेशनल गाइडलाइंस जारी की हैं।

तंबाकू से हर साल करीब 13 लाख मौतें होने का अनुमान है और यह लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर संकट बनता जा रहा है। इसको लेकर दोनों मंत्रालयों ने यह पहल की है। शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार ने कहा कि हम सभी को अपने जीवन और स्वास्थ्य पर तंबाकू के हानिकारक प्रभाव को समझना होगा। तंबाकू से हमेशा दूर रहना चाहिए। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि ग्लोबल यूथ टबैको सर्वे 2019 के मुताबिक स्कूल जाने वाले बच्चों में से 13-15 साल के 8.5 फीसदी बच्चे किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन करते हैं। वहीं बहुत से लोग ऐसे हैं जो 20 साल से भी पहले तंबाकू का सेवन करना शुरू कर देते हैं और इसके आदी हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा संस्थानों को तंबाकू मुक्त बनाने के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे।

शिक्षा संस्थानों के आसपास तंबाकू उत्पादों को न बेचे जाने के नियम का कड़ाई से पालन करवाया जाएगा। गाइडलाइंस में कहा गया है कि हर शिक्षा संस्थान को अपने परिसर में प्रमुख जगहों पर तंबाकू मुक्त एरिया के पोस्टर, बैनर लगाने होंगे। शिक्षा संस्थानों में रेंडम चेकिंग होनी होगी। स्कूल के प्रमुख को टीचर्स, स्टाफ मेंबर्स में से एक ऐसे को टबैको मॉनिटर चुनना होगा, जो खुद तंबाकू का सेवन ना करता हो। यह शख्स शिक्षा संस्थानों में तंबाकू के प्रयोग को रोकने के लिए सभी जरूरी गतिविधियों में मदद करेगा। जो भी छात्र, टीचर या स्टाफ का सदस्य टबैको कंट्रोल के लिए अच्छा काम करेगा, उसे पुरस्कार भी दिया जाएगा।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी बड़ा फैसला लिया है और हर मेडिकल कॉलेज में विशेष सेंटर्स बनाने के लिए ऑपरेशनल गाइडलाइंस जारी की हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव अपूर्व चंद्रा ने कहा कि इन सेंटर्स में आने वाले मरीजों की पूरी मदद की जाएगी ताकि वे तंबाकू की आदत से मुक्त हो सकें। उन्होंने कहा कि तंबाकू से होने वाली मौतों को कम से कम करने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय कई अभियान चला रहा है।

अब सभी मेडिकल कॉलेजों में भी सेंटर होंगे। इन सेंटर में मरीजों की काउंसलिंग होगी, ट्रीटमेंट किया जाएगा। साथ ही मेडिकल कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्रों को भी सीखने का मौका भी मिलेगा।विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं स्नायु विज्ञान संस्थान को 2024 के नेल्सन मंडेला अवॉर्ड फॉर हेल्थ प्रमोशन से सम्मानित किया है।

चंदन तस्कर वीरप्पन का एनकाउंटर करने वाले पुलिस अफसर को किया निलंबित, 5 लाख की होगी कटौती

चेन्नई। (एजेंसी)

मशहूर चंदन तस्कर वीरप्पन का एनकाउंटर करके सुर्खियों में आए एएसपी वेल्लादुरई को अब रिटायर होने के ठीक एक दिन पहले निलंबित कर दिया गया है। एनकाउंटर स्पेशलिस्ट की उपाधि से नवाजे गए वेल्लादुरई पर हिरासत में हुई एक मौत के मामले में उन पर एक्शन लिया गया है। तमिलनाडु के गृह विभाग के निलंबन आदेश में 6 जून, 2013 को शिवगंगा जिले के थिरुपाचेठी में कुमार उर्फ कोक्की कुमार उर्फ रामू की हिरासत में मौत में उसकी संलिप्तता का उल्लेख किया गया है। देर शाम जारी आदेश में कहा गया कि वेल्लादुरई को सेवानिवृत्त होने की अनुमति दी जाएगी, लेकिन राज्य मानवाधिकार आयोग के दो आदेशों के तहत उनके टर्मिनल लाभों में से 5 लाख रुपये काट लिए जाएंगे। एक आदेश में 3 लाख रुपये के मुआवजे की सिफारिश की गई, जबकि दूसरे आदेश में 2 लाख रुपये मुआवजे के रूप में दिए गए। दोनों आदेश मद्रास हाई कोर्ट में लंबित एक संबंधित मामले के अंतिम निपटारे की प्रतीक्षा कर रहे हैं। वेल्लादुरई तब चर्चा में आए थे जब उन्होंने 2003 में मरीना बीच पर हिस्ट्रीशीटर अयोध्याकुप्पम वीरमणि की गोली मारकर हत्या कर दी थी।18 अक्टूबर 2004 को, वेल्लादुरई उस समय चर्चा में आया जब उसने जंगल के डाकू वीरप्पन पर गोली चलाई। वीरप्पन की हत्या एक मील का पत्थर थी क्योंकि 1972 में पहली बार गिरफ्तारी और 2004 में मुठभेड़ में मारे जाने के बीच, उसने 180 से ज़्यादा लोगों और 500 हाथियों को उनके दाँतों के लिए मार डाला था। उसने अनगिनत चंदन के पेड़ काटे और लगभग 15 साल तक तमिलनाडु-कर्नाटक के संयुक्त विशेष कार्य बल का विरोध किया। यह वेल्लादुरई की गोली ही थी जिसने वीरप्पन को पकड़ने या मारने के लिए ऑपरेशन कोकून को आधिकारिक रूप से समाप्त किया।वेल्लादुरई ने अपना कैरियर पुलिस उपनिरीक्षक के रूप में शुरू किया और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद तक पहुंचे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

आप नेताओं समेत स्थानीय लोगों ने DGVCL कार्यालय पहुंचकर किया प्रदर्शन,पुलिस ने लगाई फटकार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, DGVCL द्वारा सूरत शहर भर में अब तक १२,००० से अधिक स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं. स्मार्ट मीटर को लेकर उपभोक्ता पिछले एक माह से लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं. अलग-अलग क्षेत्र में लगे स्मार्ट मीटरों में जिस तरह से बिल आए हैं, उसे लेकर संदेह जताया जा रहा है. जिसके चलते ग्राहक अपने पुराने मीटर रखने की मांग कर रहे हैं. जिनका बिल दो महीने तक १००० या १५०० आता था, उनका भी स्मार्ट मीटर लगने के १५ दिन के भीतर ३००० का रिचार्ज हो गया.

आम आदमी पार्टी के साथ स्थानीय लोग वेसू क्षेत्र में डीजीवीसीएल के कार्यालय पहुंचे और विरोध दर्ज कराया. उपभोक्ताओं द्वारा स्मार्ट मीटर हटाने की मांग की गई थी. आम आदमी पार्टी के मोर्चे में वेसू क्षेत्र की महिलाएं विशेष रूप से मौजूद रहीं. पुलिस ने विपक्ष के नेता आम आदमी पार्टी और दो महिला पार्षदों समेत आठ लोगों को हिरासत में लिया था, जिन्हें बाद में छोड़ दिया गया. स्मार्ट मीटर को लेकर लगातार शिकायतें बढ़ती जा रही हैं. उपभोक्ता बता रहे हैं कि उनका अब तक का अनुभव संतोषजनक नहीं रहा है. स्मार्ट मीटर में प्रीपेड रिचार्ज कराने के तरीके से भी उपभोक्ताओं को परेशानी हो रही है.

विपक्ष के नेता ने कहा कि सरकार सूडा हाउसिंग में स्मार्ट मीटर लगाकर लोगों को परेशान कर रही है. यदि डीजीवीसीएल को स्मार्ट मीटर लगाने में उपभोक्ताओं की रुचि दिखती है तो पहले वेसू क्षेत्र में रहने वाले सांसदों, विधायकों और पार्षदों के घरों में स्मार्ट मीटर लगाएं. अगर सरकार गरीबों और मध्यम वर्ग को राहत देने की सोच रही है तो पहले ३०० यूनिट बिजली मुफ्त दे और फिर स्मार्ट मीटर लगाने के बारे में सोचे. हम बहुत शांतिपूर्ण तरीके से ज्ञापन देने आए हैं, लेकिन अगर डीजीवीसीएल ने लोगों की बात नहीं मानी तो वे अपना स्मार्ट मीटर निकालकर डीजीवीसीएल कार्यालय में जमा करा देंगे.

कापोद्रा में सौतेले पिता ने १२ साल की बच्ची से किया दुष्कर्म

पुलिस ने सौतेले पिता को गिरफ्तार किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत शहर से रिश्तों में भरोसे को तार-तार कर देने वाली एक शर्मसार घटना सामने आई है. सौतेले पिता ने नाबालिग बच्ची से गंदी करतूत की. मामला तब सामने आया जब नाबालिग घर से बहन के वहां चली गई थी. जब मां ने इस बारे में पूछा तो सौतेले पिता की गंदी करतूत उजागर हुई. नाबालिग बच्ची ने अपनी बहन की मदद से दुष्कर्म का विडियो बना लिया था. विडियो माता को दिखाया, जिसके बाद मामला पुलिस तक पंहुचा. शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने सौतेले पिता को गिरफ्तार किया.

मिली जानकारी के अनुसार कापोद्रा में किराए के मकान में रहने वाली १२ साल की बच्ची से उसके सौतेले पिता ने दुष्कर्म किया. नाबालिग घर से बहन के वहां चली गई थी. इसलिए जब मां ने इस बारे में पूछा तो सौतेले पिता की गंदी करतूत उजागर हुई. कापोद्रा पुलिस ने सौतेले पिता राजू यादव के खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है. नाबालिग ने अपनी बहन से अपने सौतेले पिता की गंदी हरकतों के बारे में बात की थी. जब नाबालिग घर पर अकेली होती थी तो सौतेला पिता कमरे में आकर दुष्कर्म करता था. पिछले ३-४ साल से सौतेला पिता ऐसी गंदी हरकतें कर रहा था.

बहन के पति ने उससे कहा कि मोबाइल में एक एप्लीकेशन डाउनलोड करो, फिर इंटरनेट चालू करना और मोबाइल को कमरे में सेट करके एप्लीकेशन चालू कर देना, ताकि मैं तुम्हारे पापा की हरकतें अपने मोबाइल में देख सकूं और रिकॉर्ड कर लू. रात में उसका पिता नाबालिग के पास आया और नाबालिग के साथ गंदी हरकत करने लगा, तो बहन के पति ने मोबाइल में स्क्रिनशॉर्ट ले लिया. फिर नाबालिग ने ये फोटो मां को दिखाई. जिससे पूरा मामला सामने आया.

'अगर आप अपने बेटे का शव देखना चाहते हैं तो ट्रैफिक भवन जाइए'

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी में टीआरबी जवान ने अपने ही बेटे की गला घोंटकर हत्या की, शव ट्रैफिक भवन में छिपाया और पत्नी को फोन किया

नवसारी से एक परेशान करने वाली घटना सामने आई है. शहर में ट्रैफिक ब्रिगेड में काम करने वाले जवान ने ट्रैफिक बिल्डिंग के टॉयलेट में अपने ही बेटे की हत्या कर दी. इसके बाद उन्होंने अपनी पत्नी को फोन किया और कहा, 'अगर तुम्हें अपने परिवार का शव चाहिए तो ट्रैफिक भवन जाओ.' शव को गोदाम में छिपा दिया।

नवसारी में एक ट्रैफिक ब्रिगेड कर्मचारी ने शुक्रवार को अपने १० साल के बेटे की हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी भाग गया। शव आज पुलिस को मिला. आज जिले के सभी पुलिस अधिकारी ट्रैफिक भवन पहुंचे और १० साल के बच्चे का शव देखकर रुक गये. पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है और पोस्टमार्टम के लिए सिविल अथॉरिटी के पास भेज दिया है।

इस बारे में मिली जानकारी के मुताबिक, नवसारी ट्रैफिक ब्रिगेड में कार्यरत संजय बरैया नाम के युवक ने शुक्रवार को अज्ञात कारणों के चलते ट्रैफिक भवन के शौचालय में अपने ही १० वर्षीय बेटे वंश की गला दबाकर हत्या कर दी . इसके बाद शव को ट्रैफिक भवन के गोदाम में छिपा दिया और हत्यारा संजय वहां से भाग निकला.

आरोपी ने भागकर पत्नी को बुलाया बेटे की लाश ठिकाने लगाने के बाद मौके से भागकर आरोपी संजय ने अपनी पत्नी को फोन किया और कहा, 'वंश चाहती हो तो ट्रैफिक भवन चली जाओ...' जब पत्नी ने दी परिजनों को जानकारी यह बात सुनकर परिवार के पैरों तले से जमीन खिसक गई परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी तो पुलिस ने परिजनों के साथ मिलकर वंश के शव को कब्जे में ले लिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल में रखवा दिया और आगे की जांच की. घटनास्थल पर बेटे का शव देखा तो मां की चीख से माहौल में गमगीन माहौल फैल गया।

टीआरबी जवान के प्रेम प्रसंग के बारे में जानकारी के मुताबिक , आरोपी संजय नवसारी पिछले १५ साल से ट्रैफिक ब्रिगेड में ऑफिस का काम कर रहा था. आरोपी ने अपने ही बेटे की हत्या क्यों की, इसका सही कारण उसके पकड़े जाने के बाद ही सामने आएगा। बहरहाल, ट्रैफिक ब्रिगेड में आरोपी संजय बरैया की चर्चा इस बात को लेकर हो रही है कि वह किसी अन्य महिला से प्रेम करता है. फिलहाल पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए मर्ग कायम कर लिया है.

यातायात विभाग,आरटीओ और स्कूल चालकों व पुलिस की बैठक

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, राजकोट की घटना के बाद अब सूरत का सिस्टम जाग गया है और अनेक प्रयास कर रहा है. पुलिस ने स्कूल बस चालकों, आरटीओ कर्मचारियों और यातायात विभाग के अधिकारियों की एक बैठक आयोजित की. गौरतलब है कि स्कूल वाहनों में भेड़-बकरियों की तरह बच्चों को स्कूल या अन्य स्थानों पर ले जाने के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे थे, तब पुलिस आरटीओ और अग्निशमन अधिकारियों द्वारा स्कूल चालकों को निर्देशित किया गया था.

ट्रैफिक डीसीपी अमिता वानाणी ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ट्रैफिक विभाग, शिक्षा विभाग और आरटीओ विभाग के अधिकारियों ने शहर के स्कूल वाहन चालकों के साथ बैठक आयोजित की. जिसमें उन्हें मार्गदर्शन दिया गया है और अपील की गई है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय गाइडलाइन के मुताबिक ही छात्रों को गाड़ी में बैठाया जा सकता है. जो भी वाहन चालक नियमों का उल्लंघन करेगा उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

बता दें कि सामान्य परिस्थितियों में देखा जाता है कि वाहनों में क्षमता से अधिक बच्चों को बिठाया जाता है. फिर अगर दुर्घटना जैसी कोई घटना घटती है तो और भी बच्चों के घायल होने की संभावना हो जाती है. अक्सर ऐसी शिकायतें आती हैं कि यातायात विभाग और आरटीओ अधिकारी स्कूल बस चालकों से किश्तें वसूलने की भी चर्चा होती रहती हैं. इस कारण बड़ी संख्या में बच्चों को ले जाने वाले वाहन चालकों पर कड़ी कार्रवाई नहीं हो पाती है.

कड़ोदरा में गैस सिलेंडर को लेकर हुए झगड़े में दो आरोपी सूरत से गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत के कडोदरा जीआईडीसी क्षेत्र में गैस सिलेंडर को लेकर हुई लड़ाई में पिता-पुत्र को चाकू मार दिया था. जिसमें बेटे की मौत हो गई थी.इस घटना में दो आरोपियों को सूरत क्राइम ब्रांच की टीम ने पकड़ लिया है. घटना के बाद पुलिस ने अलग-अलग क्षेत्रों में टीमें भेजकर जांच शुरूकर दी थी.

प्राप्त जानकारी के अनुसार सूरत के कडोदरा में श्रीनिवास ग्रीन सिटी सोसाइटी के पास राकेश गुणवंत मोदी अपने बेटे प्रतीक के साथ किराने की दुकान चलाकर अपना जीवन यापन करते हैं. उन्होंने पास में रहने वाले हरेश लोखंडे को कुछ दिनों तक इस्तेमाल करने के लिए एक गैस की बोतल दी थी. जिसमें हरेश उर्फ लोखंडे, सागर उर्फ कालू और सिद्धांत उर्फ बाबूराम ने गत ३० मई की सुबह बोतल वापस मांगने पर पिता-पुत्र से झगड़ा कर लिया था.

जिसमें पिता-पुत्र पर चप्पू से वार किया गया थी. इस घटना में गंभीर रूप से घायल प्रतीक की मौत हो गई थी. इस घटना को लेकर कडोदरा जीआईडीसी पुलिस थाने में हत्या और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया था. इस घटना में सूरत क्राइम ब्रांच की टीम ने दो आरोपियों हरीश उर्फ लोखंडे संतोष पानपाटिल और सागर उर्फ कालू संतोष पानपाटिल को भेस्तान रेलवे स्टेशन के पास से पकड़ा लिया है. पुलिस के मुताबिक आरोपी हरीश उर्फ लोखंडे पहले भी कड़ोदरा थाने में हत्या के प्रयास के मामले में गिरफ्तार हो चुका है.सूरत क्राइम ब्रांच टीम ने आरोपी की हिरासत कडोदरा जीआईडीसी पुलिस को सौंप दी है.